ज्ञान विचार
प्रत्येक ज्ञानी से ज्ञान प्राप्त करो, भले ही वह बालक हो

PKL NO.KKR/184/2022-24
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर , आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह
छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233
समस्त भारत में एक साथ प्रसारित
HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM 16 सितम्बर 2023 वर्ष : 6, अंक : 12 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: एन.आर फुले, डिप्टी कमिश्नर (जीएसटी)

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

गांव रामगढ़ में किया गया समाजसेवी संदीप गर्ग का जोरदार स्वागत

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली । खंड के गांव रामगढ़ में मंगलवार को वाल्मीकि समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए स्टालवार्ट फांउडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग पहुंचे।

वाल्मीकि समाज के सुशील कुमार ने कहा कि समाजसेवी संदीप गर्ग लाडवा हल्के की जनता की सेवा करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि संदीप गर्ग लाडवा हल्के की जनता की भलाई के लिए है जो निस्वार्थ भाव से सेवा करने में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा अनेक कार्य करवाए जा रहे हैं। जिनकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। वहीं वाल्मीकि समाज द्वारा समाजसेवी संदीप गर्ग का स्वागत व उनके द्वारा किये जा रहे नेक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। वहीं मौके पर पहुंचे समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि वह लाडवा हल्के की जनता के दुख दर्द को समझते हैं और उनकी भलाई के लिए कम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा अभी तक अनेक स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जा चुके हैं और पांच रसोईयां चल रही है। इसके अलावा एक एंबुलेंस भी चलाई जा रही है। जो मात्र 500 रूपए में मरीज को अस्पताल तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि आगे भी उनके द्वारा लडावे हल्के की जनता के लिए अनेक भलाई के काम किये जाएंगे और निरंतर जारी भी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक सिलाई सेन्टर लाडवा हल्के में खोले गए हैं ताकि किसी को भी किसी प्रकार से एक-दूसरे की ओर न देखकर अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर प्रदान हो सके।

मौके पर विनोद कुमार, मोहन लाल, बलकार सिंह, सूबे सिंह, तिलक राज, रणधीर सिंह, राजिन्द्र सिंह, जसविन्द्र सिंह, बलविन्द्र सिंह, दिलबाग सिंह, वीरेन्द्र सिंह, भगत सिंह, धारी सिंह, कूड़ा राम आदि मौजूद थे।

सामान का बिल लेने से लग सकती है एक करोड़ की लॉटरी उपभोक्ताओं को किया जागरूक

जीएसटी बिल अपलोड करें, और एक करोड़ रुपए जीतने का पाएं मौका : एन.आर फुले

गजब हरियाणा न्यूज

बहादुरगढ़, आबकारी एवं कराधान विभाग की ओर से करदाताओं को प्रोत्साहन देने के लिए मेरा बिल मेरा अधिकार योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के तहत जीएसटी बिल लेने वालों को सरकार करोड़ों के इनाम देगी। उपभोक्ता को सामान की खरीदारी की रसीद पोर्टल पर अपलोड करनी होगी और 30 करोड रुपए के फंड से ड्रा ऑफ़ लॉट्स के जरिए उपभोक्ताओं को इनाम मिलेंगे। उपभोक्ता को सामान खरीद कर मेरा बिल मेरा अधिकार ऐप पर 25 बिल अपलोड करने होंगे। इससे वह लकी ड्रा में भाग ले सकता है और एक करोड़ तक का इनाम जीत सकता है। उपभोक्ताओं को विभाग की ओर से इस बारे में जागरूक भी किया जा रहा है। बहादुरगढ़ के उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (बिक्री कर) एन.आर फुले ने बताया कि जीएसटी कलेक्शन के लिए यह योजना अहम रोल अदा करेगी, क्योंकि इससे ज्यादा से ज्यादा लोग जीएसटी बिल लेने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने बताया कि मेरा बिल मेरा अधिकार योजना के तहत नागरिकों को एक करोड़ इनाम के साथ कहीं और अन्य इनाम भी मिलेंगे। उन्होंने जिला के नागरिकों से आह्वान किया है कि वह हर खरीददारी पर जीएसटी बिल जरूर लें और आकर्षक इनाम जीतने का मौका पाए। इस योजना के तहत सरकार की ओर से प्रति माह लकी ड्रा निकाला जाएगा और नागरिकों का चयन किया जाएगा। यह वे नागरिक होंगे जो हर महीने अपना जीएसटी बिल पोर्टल पर अपलोड करेंगे। उन्होंने बताया कि मेरा बिल मेरा अधिकार ऐप पर अपना जीएसटी बिल अपलोड करना होगा। इसके अलावा सरकार की मेरा बिल वेबसाइट पर जाकर जीएसटी बिल अपलोड कर सकते हैं। डीईटीसी एन.आर फुले ने बताया कि लकी ड्रा के लिए विचार किए जाने वाले इनवॉइस का न्यूनतम मूल्य 200 रुपए रखा गया है। बिल इन्वॉयस आईओएस और एंड्रॉयड पर उपलब्ध मोबाइल एप्लीकेशन मेरा बिल मेरा अधिकार के साथ-साथ वेब पर भी अपलोड किया जा सकते हैं।

निबंध लेखन में तनवी, कविता पाठ में कविता और भाषण प्रतियोगिता में नैतिक रहे प्रथम

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हरिपुर में खंड स्तर पर हिंदी पखवाड़ा में प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रधानाचार्य बलजीत सिंह जास्ट के द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि विद्यालय से खंड स्तर पर कक्षा छट्टी से आठवीं में तनवी निबंध लेखन में प्रथम , कविता पाठ में छात्रा कविता प्रथम और भाषण प्रतियोगिता में नैतिक ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी प्रकार 9 से 12 में कविता पाठ में अमृता प्रथम तथा भाषण प्रतियोगिता में अंशिका ने प्रथम स्थान हासिल किया और दृश्य घटना वर्णन में अनीता द्वितीय स्थान पर और चित्र देखकर कहानी लिखने में आशीष द्वितीय स्थान पर रहा। प्रधानाचार्य ने सभी अध्यापकों वह बच्चों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं में भाग लेने से विद्यार्थी जीवन में अनुशासन में रहना और जीवन की प्रतिस्पर्धा में भाग लेना सीखते हैं इसलिए प्रतियोगिताओं में ज्यादा से ज्यादा रुचि लेनी चाहिए। इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है।

जिला में बनेंगे बिजली के 21 नए सब स्टेशन लोगों को मिलेगी बेतहरीन बिजली सुविधा: उपायुक्त

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि करनाल जिला में बेतहरीन बिजली व्यवस्था के लिए बिजली विभाग द्वारा 33 केवी के 20 नए सब स्टेशन तथा मुनक में 400 केवी का एक बड़ा सब स्टेशन बनाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके लिए संबंधित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी ग्राम पंचायतों से जगह के लिए जल्द से जल्द प्रस्ताव लें ताकि आगामी आवश्यक कार्यवाही को जल्द पूरा करवाया जा सके।

उपायुक्त मंगलवार को लघु सचिवालय के सभागार में बिजली विभाग तथा पंचायत विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ले रहे थे। उन्होंने बैठक में उपस्थित जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए कि वे सभी ग्राम पंचायतों को जानकारी दें कि उनके गांवों में 33 केसी सब स्टेशन का निर्माण होना है। इसके लिए ग्राम पंचायत को जगह उपलब्ध करवाने के लिए प्रस्ताव देना होगा। इस कार्य में बिना विलंब के जल्द से जल्द बीडीपीओ के माध्यम से संबंधित ग्राम पंचायत से प्रस्ताव मंगवाएं।

इन गांवों में बनेंगे 33 केवी के सब स्टेशन - एसई कशिक मान

बैठक में बिजली विभाग के अधीक्षक अभियंता कशिक मान ने बताया कि 33 केवी के 20 सब स्टेशन बनाए जाने हैं जिन पर अनुमानित 40 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। इनमें से कुछ ग्राम पंचायतों के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं तथा कुछ शेष हैं। जैसे ही संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा जगह उपलब्ध करवाने का प्रस्ताव दे दिया जाएगा उसके तुरंत बाद टैंडर लगा दिए जाएंगे। इनमें करनाल शहर में एनडीआरआई व शिव कॉलोनी, गांव बालू, निसिंग, तरावड़ी, समानाबाहू, अमरगढ़, बसतली, सांभली, बेगमपुर, चौरा, चिड़ाव, मोर माजरा, बस्सी, भादसो, इंद्री शहर, काछवा, रूकसाना, नरूखेड़ी तथा रायसन गांव में सब स्टेशन बनाए जाने की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा मुनक गांव में 400 केवी का बड़ा सब स्टेशन बनाया जाना है, जिस पर अनुमानित 100 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। इस सब स्टेशन के बनने से जहां आसपास के गांवों को बेहतरीन बिजली उपलब्ध होगी वहीं दूसरे स्टेशनों को भी बिजली पहुंचाई जा सकेगी तथा प्लांटों से बिजली लाने में भी मदद मिलेगी। बैठक में डीडीपीओ राजबीर खुंडिया, कार्यकारी अभियंता धर्म सुहाग, कार्यकारी अभियंता पंकज धवन, कार्यकारी अभियंता मेहताब, कार्यकारी अभियंता सतपाल, कार्यकारी अभियंता रणदीप चौहान तथा संबंधित ब्लॉक बीडीपीओ मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में दनोदा स्कूल की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया

गजब हरियाणा न्यूज

नरवाना, 56 वीं राज्य स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन महावीर स्टेडियम हिसार में बड़े हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इनमें हरियाणा भर की स्कूल टीमों ने भाग लिया। अध्यापक राजकुमार जांगड़ा ने बताया कि अंडर-17 की प्रतियोगिता में जिला जींद का प्रतिनिधित्व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दनोदा कलां की टीम ने किया तथा राज्य स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करके प्रदेश में जिला जींद व विद्यालय का नाम रोशन किया।

विजयी टीम व डी.पी अनिल कुमार नैन का विद्यालय में पहुंचने पर प्रधानाचार्य बेगराज आर्य, सभी स्टॉफ सदस्यों, छात्रों, स्कूल प्रबंधन समिति व ग्रामीणों ने बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया तथा बधाई दी।

इस अवसर पर बेगराज आर्य ने कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास में खेलों का महत्वपूर्ण योगदान है खेल हमें अनुशासन व स्वस्थ रहना सिखाते हैं इसलिए छात्रों को खेलों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए।

इस उपलब्धि पर नरवाना की खंड शिक्षा अधिकारी ज्योति श्योकंद तथा खंड संसाधन संयोजक सुरेश कुमार नैन ने भी छात्रों और पुरे स्टॉफ को बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर खिलाडी अमित, अमन, सुमित, निशांत, सुनील, दीपक व सभी स्टॉफ सदस्य,स्कूल प्रबंधन समिति और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

GH WORLD TV
बेगमपुरा सहर की नाउ
गजब HARYANA NEWS
सच्ची व स्टीक खबर-आप तक

जरुरी सूचना

गजब हरियाणा समाचार पत्र, अपना हरियाणा - अपना अखबार, 5 वर्षों से आपकी सेवा में।
गजब हरियाणा के सभी समाचार पत्र और अन्य खबरें पढ़े निशुल्क -
हमारी वेबसाइट : www.gajabharyana.com पर
गजब हरियाणा का सामाजिक यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर देखे - gajab haryana news
धार्मिक यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज - Gh World Tv
खबरें व धार्मिक कार्यक्रम की कवरेज करवाने के लिए संपर्क करें: 9138203233
gajabharyananews@gmail.com

नई खोज से जीवन बदलने की होड़

दुनिया में कई ऐसी खोजें हो रही हैं, जो हमारे जीने का तरीका बदल देंगी। भविष्य के ये आविष्कार मानव जाति के हर पहलू को तेजी से प्रभावित करेंगे और जीवन को बदलने की क्षमता से युक्त होंगे। इसमें पहला है ऑप्टिकल इल्यूजन, जिसका इस्तेमाल युद्ध के समय सेना कर भी सकती है, जिसमें दुश्मन सामने वाले को देख न सके। दूसरा आविष्कार नई तरह की आंखें विकसित करने से संबंधित है। तीसरा चमत्कार होगा भविष्य में जीवाणु से बनने वाली इमारतें और चौथी प्रमुख खोज है अपरिपक्व बच्चे का दिमाग विकसित करने वाला संगीत। इसके अलावा कुछ और भी नई तकनीकें हैं, जो आज की दुनिया के स्वरूप को बदल सकती हैं। तकनीक ही मानव के विकास का आधार तैयार करती है। आप्टिकल इल्यूजन के बारे में कनाडा की हाईपर स्टील्थ बायोटेक्नोलॉजी का दावा है कि यह बहुत ही हल्के पदार्थ (लाइट बैटिंग मैटीरियल) से बने हैं और इनके पीछे रखा सामान दिखाई नहीं देता है।

इस कंपनी का कहना है कि यह पदार्थ किसी वस्तु के आसपास मौजूद रोशनी की दिशा को मोड़ देता है, जिससे यह प्रभाव मिलता है और इस कारण सिर्फ पृष्ठ भाग नजर आता है। इस तकनीक का इस्तेमाल सैन्य उद्देश्य के लिए किया जाएगा। इसी तरह अमेरिका की यूनिवर्सिटी आफ मिनेसोटा के वैज्ञानिक लोगों में खास तरह की आंखें तैयार करने की तकनीक पर काम कर रहे हैं। ये थ्री-डी प्रिंट वाली बायोनिक आंखें हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि एक दिन इससे दृष्टिहीन लोगों को भी देखने में मदद मिलेगी। हालांकि कुछ कंपनियों ने पहले ही इस तरह की बायोनिक आंखों का प्रत्यारोपण किया है, जैसे रेटिना प्रत्यारोपण, जिसमें चश्मे पर छोटे कैमरे का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन थ्री-डी प्रिंट वाली आंखें कुछ इस तरह काम करती हैं कि रेटिना की कोशिकाएं जो रोशनी को ग्रहण करती हैं, उसे विद्युतीय संकेतों में बदल देती हैं और ये संकेत मस्तिष्क तक पहुंचते हैं। इसलिए आप्टिकल से इलेक्ट्रिकल की इस प्रक्रिया को उस डिवाइस का इस्तेमाल करते हुए फिर से दोहराने की जरूरत होती है, जो आंख की तरह ही घुमावदार आकार में हो और इस तकनीक में यही किया जाता है।

वैज्ञानिकों का मकसद प्रकाश के प्राप्तकर्ता को नरम सतह पर स्थापित करना है, जिसे बिना बाहरी कैमरे के एक आंख पर लगाया जा सके। अभी तक जीवाणुओं और विषाणुओं का नाम हमारे भीतर हलचल के साथ ही एक तरह का डर भी पैदा करता रहा है। पर विज्ञान अब इतना आगे निकल चुका है कि इन्हीं जीवाणुओं की मदद से हम अपनी रिहाइश भी तैयार करने में जुटे हैं। वैज्ञानिक जीवाणुओं से इमारतें बनाने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। रेत, जेल और जीवाणु का इस्तेमाल करके 'जीवित कंक्रीट' तैयार करने पर काम चल रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसी जीवित इमारतों का भविष्य दूर नहीं है। यह सामग्री खुद अपनी दरारें भर सकेगी और विषाक्त पदार्थों को हवा से सोख भी सकेगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि पर्यावरण के लिए कंक्रीट से ज्यादा बेहतर जीवाणुओं से बनी सामग्री है। दुनिया में उत्सर्जित होने वाला आठ फीसद कार्बन डाईआक्साइड सीमेंट से आता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि 'जीवित ईंटों' में खुद उत्पन्न होने की क्षमता है। ये उतनी ही मजबूत होती हैं जितना इमारतों में आजकल इस्तेमाल होने वाला चूना। यह अभी शुरुआत है, पर संभावनाएं अंतहीन हैं। अपरिपक्व बच्चे का दिमाग बढ़ाने वाले संगीत पर भी वैज्ञानिक काम कर रहे हैं।

> आज दुनिया के समक्ष सबसे बड़ा संकट ऊर्जा के स्रोतों का खत्म होना है। अगर इनका कोई ठोस विकल्प जल्द ही नहीं खोजा गया तो वह वक्त दूर नहीं, जब पूरी दुनिया अंधेरे में डूब जाए। इसलिए वैज्ञानिक अब नित नए ऊर्जा विकल्पों की तलाश में जुटे हैं। हाल में वैज्ञानिकों ने सस्ते नैनोट्यूब हाइड्रोजन ईंधन की खोज की है, जो सस्ती ऊर्जा का बेहतर विकल्प साबित हो सकता है।

संगीत से मनुष्य का संबंध जन्म से पहले हो जाता है। अध्ययन बताते हैं कि गर्भ में मौजूद बच्चे को संगीत सुनाना उसके मस्तिष्क के विकास में काफी अहम भूमिका निभाता है और इससे तंत्रिका पुलों को भी मजबूती मिलती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि बेहद अपरिपक्व मस्तिष्क वाले बच्चों के विकास में संगीत की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। खास तरह का संगीत इसमें काफी मददगार साबित हो रहा है। कमजोर नवजात बच्चे के दिमाग को विकसित करने के लिए स्विटजरलैंड यूनिवर्सिटी में वैज्ञानिकों ने एक कंपोजर की मदद से एक विशेष संगीत तैयार किया है। इस संगीत में बांसुरी, वीणा व घंटियों का इस्तेमाल हुआ है। शुरुआती जांच से पता चला है कि संगीत सुनने वाले बच्चों का दिमाग बेहतर विकसित हुआ। टेलीपैथी शब्द का मतलब उस वैज्ञानिक तकनीक से है, जिसमें किसी एक व्यक्ति की सोच किसी दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है, यानी जो आप सोच रहे हैं, उसे हजारों किलोमीटर दूर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है।

अब वैज्ञानिकों ने दिमाग से दिमाग के बीच होने वाले संचार को खोज निकाला है। इसे बार्सीलोना के स्टार लैब और फ्रांस के ऑक्सियम रोबोटिक्स इन स्टारबर्ग ने खोजा है। यह परियोजना अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन इसमें आठ हजार किलोमीटर की दूरी पर बैठे लोगों के बीच संचार स्थापित करने में सफलता मिल चुकी है। आने वाले समय में आप अपनी सोच किसी को भी इस तकनीक के माध्यम से बता सकते हैं। अब बात है ऊर्जा की। आज दुनिया के समक्ष सबसे बड़ा संकट ऊर्जा के स्रोतों का खत्म होना है। अगर इनका कोई ठोस विकल्प जल्द ही नहीं खोजा गया तो वह वक्त दूर नहीं, जब पूरी दुनिया अंधेरे में डूब जाए। इसलिए वैज्ञानिक अब नित नए ऊर्जा विकल्पों की तलाश में जुट गए हैं। हाल में वैज्ञानिकों ने सस्ते नैनोट्यूब हाइड्रोजन ईंधन की खोज की है, जो सस्ती ऊर्जा का बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। अमेरिका की रटगर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कार्बन हाईड्रोजन ईंधन को ऊर्जा की तरह प्रयोग करने का विकल्प खोजा है।

अगर मोटे तौर पर समझें तो वैज्ञानिकों ने कार्बन नैनो ट्यूब को विद्युत अपघटन (इलेक्ट्रोलेसिस) की मदद से हाईड्रोजन ईंधन में बदलने का तरीका खोज निकाला है। इसी तरह हमारे चारों तरफ डेटा है। यह किसी भी रूप में हो सकता है, चाहे सेलफोन को ले लीजिए या फिर क्लाउड सर्वर के रूप में। न्यूयार्क की मिशिगन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी डिवाइस बनाई है, जिसकी मदद से ज्यादा से ज्यादा डेटा कम जगह में संग्रहित किया जा सकता है। खून ही हमारा जीवन है, जो शरीर को चलाने का काम करता है। लेकिन जब हमें खून की जरूरत पड़ती है और उस समय खून न मिले, तो जान को खतरा हो सकता है। मगर अब कृत्रिम लाल और सफेद रक्त कोशिकाओं की मदद से किसी को भी आसानी से खून मिल सकेगा। चिकित्सा विज्ञानियों ने ओ निगेटिव कोशिकाएं, जो यूनिवर्सल डोनर है, बनाने में कामयाबी हासिल कर ली है। यानी आने वाले समय में किसी को भी खून की कमी नहीं होगी।

कैंसर हर साल दुनिया में करोड़ों लोगों की जान ले लेता है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने डीआइएक्सडीसी-1 नाम का एक जीन खोज निकाला है, जो कैंसर को रोकने में कारगर साबित होगा। सवाल है कि तकनीक को ऐसा कैसे बनाया जा सकता है कि अधिकतम लोगों को यह ज्यादा कुदरती ढंग से सुलभ हो। यह तभी संभव होगा जब कंप्यूटर आपकी आंखों के सामने होगा और आप असल दुनिया और आभासी दुनिया में फर्क तक नहीं कर पाएंगे। यह मिश्रित यथार्थ की दुनिया होगी। यह बुनियादी स्थानांतरण और बदलाव का एक पहलू है।

जरनैल सिंह

भारत के सुकरात, रामास्वामी पेरियार जयंती 17 सितम्बर (विशेष)

तमिलनाडु में आर्य-ब्राह्मणों के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक वर्चस्व को तोड़ने में पेरियार की मुख्य भूमिका रही है। जीवन के सभी क्षेत्रों में उन्होंने बहुजनों को उनका हक दिलाया। फुले, आंबेडकर और पेरियार आधुनिक युग में बहुजन चिंतन परंपरा के आधार स्तम्भ हैं।

पेरियार ई.वी.रामास्वामी नायकर का जन्म दक्षिण भारत के ईरोड (तमिलनाडु) नामक स्थान पर 17 सितम्बर 1879 ई. को हुआ था। इनके पिताजी का नाम वेंकटप्पा नायकर तथा माताजी का नाम चिन्नाबाई था। वर्णव्यवस्था के अनुसार शूद्र, वेंकटप्पा नायकर एक बड़े व्यापारी थे। धार्मिक कार्यों, दान व परोपकार के कार्यों में अत्यधिक रुचि रखने के कारण उन्हें उस क्षेत्र में अत्यधिक सम्मान प्राप्त था। पेरियार रामास्वामी नायकर की औपचारिक शिक्षा चौथी कक्षा तक हुई थी। 10 वर्ष की उम्र में उन्होंने पाठशाला को सदा के लिए छोड़ दिया। पाठशाला छोड़ने के पश्चात वे अपने पिताजी के साथ व्यापार के कार्य में सहयोग करने लगे। इनका विवाह 19 वर्ष की अवस्था में नागम्मई के साथ सम्पन्न हुआ।

पेरियार रामास्वामी का परिवार धार्मिक तथा रूढ़िवादी था। लेकिन अपने परिवार की परम्पराओं के विपरीत पेरियार रामास्वामी किशोरावस्था से ही तार्किक पद्धति से चिन्तन मनन करने लगे थे। इनके घर पर अक्सर धार्मिक अनुष्ठान एवं प्रवचन होते रहते थे। रामास्वामी अपने तार्किक प्रश्नों से अनुष्ठानकर्ताओं को अक्सर संकट में डाल देते थे। उम्र बढ़ने के साथ साथ पेरियार अपनी वैज्ञानिक सोच पर और दृढ़ होते गये। परिणामस्वरूप परिवार की अन्धविश्वास युक्त एवं ढकोसले वाली बातें, एक के बाद एक रामास्वामी के प्रहार का निशाना बनने लगी। जो भी कार्य उन्हें अनावश्यक लगता था, या तर्कसंगत प्रतीत नहीं होता, उसे अवश्य ही बन्द करने का प्रयत्न करते। उदाहरणस्वरूप स्त्रियों द्वारा गले में पहने जाने वाला आभूषण 'बाली' या 'हंसुली' को वे बंधन या गुलामी का प्रतीक मानते थे। अत: उन्होंने अपनी पत्नी के गले से भी 'हंसुली' उतरवा दिया था। अपनी पत्नी व परिवार के अन्य सदस्यों को वे मन्दिर भी नहीं जाने देते थे। वे अक्सर अपने अस्पृश्य मित्रों को परिवार की परम्परा के विरुद्ध अपने घर बुलाते और साथ में भोजन करते।

पेरियार रामास्वामी का धर्म विरुद्ध आचरण उनके परिवार के लोगों को खटकने लगा। एक सफल व्यापारी होने के कारण उनके पिताजी ने जो सम्मान और श्रद्धा अर्जित की थी, वह धीरे धीरे घटने लगी। विशेष रूप से उनके पिताजी वेंकटप्पा नायकर को अपने धर्माचरण तथा विश्वास इतने प्रिय थे, कि वे अपने पुत्र तथा व्यापार सभी को तिलांजलि दे सकते थे। मतभेदों ने शीघ्र ही छिट पुट कहासुनी तथा विरोधों का रूप धारण कर लिया। अन्तत: रामास्वामी ने पितृगृह छोड़ने का निश्चय कर लिया। गृहत्याग के पश्चात् रामास्वामी कुछ दिनों तक इधर उधर घूमते रहे। बहुत दिनों तक वे संन्यासियों के साथ संन्यासी बनकर रहे। इस जीवन में उन्हें अपना स्वास्थ्य बिगड़ने के अतिरिक्त कुछ भी प्राप्त न हो सका। अन्तत: उन्होंने संन्यास जीवन त्याग दिया और पुन: अपने घर लौट आये।

पेरियार रामास्वामी का मत है कि दलित समस्या हिंदू धर्म एवं हिंदू समाज व्यवस्था की देन है। उनके अनुसार दलित एवं शूद्र इस देश के मूल निवासी हैं। आर्य बाहर से यहां आक्रमणकारी के रूप में आये तथा यहां के मूल निवासियों को युद्ध में पराजित करके अपना दास बना लिया। आर्यों ने यहां के मूल निवासियों को न केवल दास बनाया बल्कि उनकी समृद्धशाली सभ्यता और संस्कृतियों को भी नष्ट किया। आर्यों ने अपना वर्चस्व चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से वैदिक धर्म एवं वर्णव्यवस्था का निर्माण किया। ईश्वर का आविष्कार आर्यों ने भारत के मूल निवासियों को मानसिक दास बनाने के लिए किया। इसलिए रामास्वामी पेरियार ने ईश्वर, धर्म, आत्मा, पुनर्जन्म, स्वर्गङ्गनर्क आदि सिद्धान्तों तथा इन सिद्धान्तों का प्रचारङ्गप्रसार करने वाले धर्म ग्रन्थों का कड़ा विरोध किया। उनके शब्दों में, 'धर्म एवं ईश्वर मात्र मनुष्यों के लिए है और अन्य प्राणियों के लिए नहीं। यदि वास्तव में धर्म एवं ईश्वर का अस्तित्व होता, तो समाज में समानता स्थापित होती। यदि संसार में निर्धन धनी, शोषक शोषित, ऊँच नीच का भेद समाप्त कर दिया जाय तो ईश्वर और धर्म का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा।' इसी प्रकार उन्होंने गहरी संवेदना के साथ कहा था कि 'ईश्वर नहीं है, ईश्वर नहीं है, ईश्वर बिल्कुल नहीं है, जिसने ईश्वर का आविष्कार किया वह मूर्ख है, जो ईश्वर का प्रचार करता है वह धूर्त है, जो ईश्वर को पूजता है वह जंगली है।' उनका कहना था कि मनुष्य के अतिरिक्त पृथ्वी के किसी अन्य प्राणी के लिए ईश्वर का कोई औचित्य नहीं है, धर्म की आवश्यकता नहीं पड़ती, जातियां नहीं बनी है, तो मात्र मनुष्यों के लिए ही ईश्वर,धर्म एवं जातियों का अस्तित्व क्यों है?

पेरियार रामास्वामी का विचार था कि दलितों एवं शूद्र को हिन्दू धर्म की मूल्यङ्कमान्यताओं एवं ईश्वर के संजाल से मुक्त होना आवश्यक है। उनके शब्दों में, 'मैं कहता हूं कि हिन्दुत्व एक बड़ा धोखा है, हम मूर्खों की तरह हिन्दुत्व के साथ अब और नहीं रह सकते। यह पहले ही हमारा काफी नुकसान कर चुका है। इसने हमारी मेधा को नष्ट कर दिया है। इसने हमारे मर्म को खा लिया है। इसने हमारी सम्भावनाओं को गड़बड़ा दिया है। इसने हमें हजारों वर्गों में बांट दिया है। क्या धर्म की आवश्यकता ऊंच नीच पैदा करने के लिए होती है? हमें ऐसा धर्म नहीं चाहिए जो हमारे बीच शत्रुता, बुराई और घृणा पैदा करे।'

पेरियार मूलरूप से एक सामाजिक क्रान्तिकारी थे। वे एक बुद्धिवादी, अनीश्वरवादी एवं मानववादी थे। उनके चिंतन का मुख्य विषय समाज था, फिर भी उनके विचार और दृष्टिकोण राजनीति एवं आर्थिक क्षेत्र में परिलक्षित होते हैं, उनका अटूट विश्वास था कि सामाजिक मुक्ति ही राजनैतिक एवं आर्थिक मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करेगी। उनकी इच्छा थी कि अंग्रेजों के भारत छोड़ने से पहले ही सामाजिक समानता स्थापित हो जानी चाहिए। अन्यथा स्वाधीनता का यह अभिप्राय होगा कि हमने विदेशी मालिक की जगह भारतीय मालिक को स्वीकार कर लिया है। उनका सोचना था कि यदि इन समस्याओं का समाधान स्वाधीनता प्राप्ति के पहले नहीं किया गया, तो जाति व्यवस्था और उनकी बुराइयां हमेशा बनी रहेंगी। उनका कहना था कि राजनैतिक सुधार से पहले सामाजिक सुधार होना चाहिए।

हिंदू वर्ण व्यवस्था के अनुसार दलितों एवं शूद्रों का राज्य संस्था के संचालन में हस्तक्षेप वर्जित था। आधुनिक भारत में महात्मा जोतीराव फुले ने राजनैतिक क्षेत्र में दलितों एवं शूद्रों के लिए प्रतिनिधित्व की मांग की थी। पेरियार रामास्वामी ने भी दलितों एवं शूद्रों के लिए राजनैतिक क्षेत्र में जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने का विचार व्यक्त किया। स्वतंत्रता आंदोलन के समय पेरियार ने कांग्रेस के सम्मेलन में जनसंख्या के अनुपात में नौकरियों में प्रतिनिधित्व संबंधी प्रस्ताव स्वीकृति कराने का प्रयास किया था। 1950 में तत्कालीन मद्रास सरकार ने पेरियार की सलाह पर नौकरियों में दलितों पिछड़ों के लिए 50 प्रतिशत स्थान सुरक्षित करने का निर्णय लिया। मद्रास सरकार के इस निर्णय को उच्च वर्णीय व्यक्तियों द्वारा मद्रास उच्च न्यायालय में चुनौती दी गयी। मद्रास उच्च न्यायालय ने मद्रास सरकार के उक्त जी.ओ. को यह कहते हुए शून्य घोषित कर दिया कि यह जी.ओ. मौलिक अधिकारों के विरुद्ध है। सर्वोच्च न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के निर्णय का समर्थन किया। यह याचिका मद्रास राज्य बनाम चम्पक दुरई राजन के नाम से जानी जाती है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर उस समय विधिमंत्री थे। नौकरियों में आरक्षण के लिए किया गया उनका संघर्ष निष्फल हो गया। रामास्वामी पेरियार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध विशाल आंदोलन चलाया और संविधान में संशोधन की मांग की। फलस्वरूप संविधान में प्रथम संशोधन 18 जून 1951 को हुआ जिसमें अनुच्छेद 15 व 16 को संशोधित किया गया। रामास्वामी पेरियार का मत है कि सरकार को सामाजिक समानता एवं एकता स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए। वे सामाजिक परिवर्तन के लिए कार्य करने वाले व्यक्तियों के नियंत्रण में सरकार को संचालित करने का विचार व्यक्त करते हैं।

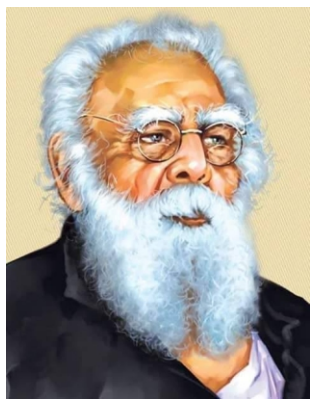

रामास्वामी नायकर के अनुयायियों ने उन्हें 'थंथाई' (पिता) 'पेरियार' (महान) की उपाधियों से विभूषित किया। यूनेस्को ने उन्हें 'दक्षिण पूर्व एशिया का सुकरात' जैसे विशेषण से सम्मानित किया। मृत्योपरान्त यूनेस्को ने जो शील्ड प्रदान किया उस पर ''पेरियार, नये जमाने का पैगम्बर, दक्षिण पूर्व एशिया का सुकरात, समाज सुधार का जनक और अज्ञानता, अंधविश्वास व निरर्थक प्रथाओं का यम'' अंकित है। इस अवार्ड द्वारा ई.वी.रामास्वामी की उपलब्धियों और प्रयासों को यूनेस्को ने मान्यता प्रदान किया है।

जन शिक्षा अधिकार मंच का धरना जारी

धरने का आज 355 वां दिन

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । राजद्रोह के लम्बित मामलों की मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, राजद्रोह–124 ए कानून केस संवैधानिक बेंच को भेज दिया गया है, जिसके चलते कैथल के शिक्षक सुरेश द्रविड़ का मामला भी संवैधानिक पीठ सुनेगी, उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 23 सितंबर 2022 को कैथल में शिक्षक सुरेश द्रविड़ के खिलाफ थाना शहर कैथल में राजद्रोह का मुकदमा दर्ज कर दिया गया था,152 साल पुराने राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून की वैधता की जांच को स्थगित करने के केंद्र के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है, क्योंकि नया कानून फिलहाल एक स्थाई समिति के सामने विचार के लिए लम्बित है, ऐसे में इस अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता, 11अगस्त 2023 को गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में 163 साल पुराने 3 कानूनों में बदलाव के लिए बिल पेश किया था, इनमें राजद्रोह कानून खत्म करना भी शामिल था।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की दलिलों को नकारते हुए फिलहाल 124 ए के तहत ही सुनवाई करने का निर्णय ले लिया है और कहा है कि 124 ए से संबंधित जो केस है वो केस जारी रहेंगे और 124 ए को संवैधानिकता पर जांच की जाएगी, क्योंकि देश के अंदर बहुत लोगों का मानना है कि 124 ए संविधान विरोधी है और अभिव्यक्ति की आजादी को रोकती है।

जन शिक्षा अधिकार मंच का भी मानना है कि 124 ए की अब कोई आवश्यकता नहीं है और इस संबंध में कठोर कानून लाने की भी आवश्यकता नहीं है, लोगों द्वारा उठाई गई आवाज को सुना जाना चाहिए।

जन शिक्षा अधिकार मंच के संयोजक जयप्रकाश शास्त्री और प्रैस प्रवक्ता सुरेश द्रविड़ ने कहा कि केंद्र सरकार जो अब राजद्रोह की जगह नया कानून ला रही है वह और भी अधिक खतरनाक होगा,जो लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए अभिशाप बन जाएगा, इसलिए एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक देश में ऐसे कानूनों की आवश्यकता नहीं है।

जन शिक्षा अधिकार मंच द्वारा सुरेश द्रविड़ पर दर्ज

एफआईआर और राजद्रोह के विरोध में तथा अन्य मांगों के लिए जिला सचिवालय कैथल में लगातार जारी धरना जो मंगलवार को भी 351 वें दिन भी जारी रहा। जन शिक्षा अधिकार मंच के धरने की अध्यक्षता मैकेनिकल युनियन के प्रधान शिव दत शर्मा और गजे सिंह ने संयुक्त रूप से की। शिवदत्त शर्मा ने कहा कि

जन शिक्षा अधिकार मंच पूरे प्रदेश में राजद्रोह 124 ए की समाप्ति के लिए अभियान निरंतर चलाए हुए हैं,हम इस कदम का स्वागत करते है और आपके आंदोलन का समर्थन भी करते हैं। गजे सिंह ने कहा कि जन शिक्षा को बचाने के लिए तथा सुरेश द्रविड़ पर दर्ज एफआईआर को रद्द करवाने के लिए एवं राजद्रोह संविधान विरोधी 124ए को समाप्त करवाने के लिए इस संबंध में सेमिनार भी आयोजित किए जाएंगे। पूरे देश में यह जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। मौजूदा सरकार संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को तार तार कर रही है,देश के लिए ऐसा करना कतई भी उचित नहीं है, देश के विकास के लिए जनभावनाओं की कदर करनी चाहिए और लोगों को उनकी बात को रखने का अवसर दिया जाना चाहिए और उनकी बातों को सुनकर उनकी समस्याओं को यथासंभव समाधान भी करना चाहिए।

धरने पर हजूर सिंह, सतबीर सिंह ,उषा रानी क्योड़क आशा वर्कर यूनियन से, पूनम कुलतारण, मीना संगतपुरा, मीणा देबन मैकेनिकल यूनियन से प्रधान शिव दत्त शर्मा, गजे सिंह, सुनील, अजय, ओमप्रकाश, ईश्वर सिंह, रणधीर डुंडवा, मामचंद खेड़ी सिम्बल, रामपाल आदि भी उपस्थित थे।

डीएसआर को बढ़ावा देने के लिए पंजाब व हरियाणा सरकार द्वारा की गई प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । सवाना सीड्स प्रा. लिमिटेड ने की ओर से ठोल में किसान के खेतों में फुलपेज प्रौद्योगिकी सक्षम प्रत्यक्ष बीजयुक्त धान (डीएसआर) धान की खेती के लिए एक स्थायी दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया गया। आयोजकों के अनुसार इस क्षेत्र में प्रदर्शन के आयोजन का उद्देश्य किसानों के खेत में सामान्य डीएसआर और प्रत्यारोपित धान की तुलना में फुलपेज डीएसआर लाभों को प्रदर्शित करना है और साथ ही यह भी प्रदर्शित करना है कि यह तकनीक डीएसआर पद्धति के लिए पूर्ण समाधान कैसे प्रदान कर रही है। फुलपेज तकनीक खरपतवार नियंत्रण और अंकुरण जैसी पारंपरिक डीएसआर पद्धति में सभी चुनौतियों और मुद्दों के खिलाफ समाधान प्रदान करके राज्य में डीएसआर पद्धति को तेजी से अपनाने में मदद करेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कंपनी के सीईओ अजय राणा ने शिरकत की। संचालन अंबाला के सैल्ज मैनेजर ललित तोमर ने किया। सीईओ और एमडी अजय राणा, बिक्री, निदेशक मनोज माहुली, फुलपेज और फुलपेज व संस्थागत बिक्री के प्रमुख मनोज सिंह आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के व्रैज्ञानिक मनोज सिंह व कृषि विभाग एसडीओ मनीष वत्स ने भी शिरकत की।

वक्ताओं ने बताया कि पारंपरिक रोपाई/ धान की खेती से मीथेन, सीओ2 और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी हानिकारक ग्रीनहाउस गैसों (जीएचजी) का उच्च उत्सर्जन भी हो रहा है। धान की सीधी बुआई (डीएसआर) इन समस्याओं का समाधान कर सकती है, साथ ही रोपाई श्रम के स्थान पर मशीनीकृत ड्रिल बुआई, पानी की बचत, ईंधन लागत की बचत और जीएचजी उत्सर्जन में कमी करके किसान की आय में वृद्धि कर सकती है। डीएसआर को बढ़ावा देने के लिए पंजाब सरकार ने 1500 रुपये प्रति एकड़ और हरियाणा सरकार ने 4000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन देने की घोषणा भी की है, लेकिन अभी भी डीएसआर को बहुत कम अपनाया जा रहा है।

फुलपेज तकनीक खरपतवार नाशी सहनशीलता शक्ति के माध्यम से जंगली चावल एवं सभी प्रकार के खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण प्रदान करती है, स्क्वाड उपचार एक समान अंकुरण और उच्च पौधे की स्थापना और शक्ति प्रदान करता है इसलिए फुलपेज तकनीक डीएसआर चुनौतियों का पूर्ण समाधान प्रदान कर रही है इसलिए यह डीएसआर पद्धति को तेजी से अपनाने में सहायता करेगी।

मनोज महुली ने भूजल की कमी और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को देखते हुए डीएसआर अपनाने की सख्त जरूरत पर जोर दिया। मनोज सिंह ने भूजल और लागत में बचत के लिए डीएसआर प्रणाली के लाभों पर जोर दिया।

इस मौके पर किसान जसविंद्र सिंह, रवीश अम्बोल, सनी सिंधु, आलोक विश्वकर्मा , आलोक कुमार, विवेक राणा व विरेंद्र कुमार मौजूद रहे।

भक्ति मार्ग बुझदिल और डरपोक लोगों का काम नही : स्वामी ज्ञाननाथ

महापुरुषों के चित्रों को पूजने नही , उनके चरित्रों को पूजने की जरूरत : महामंडलेश्वर

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के मौजूदा गद्दीनशीन चेयरमैन और संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री.श्री.1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी ज्ञान चर्चा के दौरान प्रवचनों में कहा कि भक्ति मार्ग बुझदिल और डरपोक लोगों का काम नही। सिर्फ कहने का नही बल्कि करने का, समर्पण और शरणागत का मार्ग है। संत महापुरुषों के चित्रों को पूजने के बजाय उनके चरित्रों को पूजने की जरूरत है। मंदिरों का जीर्णोद्धार करने की बजाय अंत:करण मे विचारों का जीर्णोद्धार करना, साधनों की बजाए साधना करना , बाहरमुखि की बजाए अंतर्मुखी होना, जड़ की बजाए चेतन का ध्यान करना, ज्यादा बोलने की बजाए मौन रहना और ज्यादा सुनना ही भक्ति मार्ग मे सफलता की कुंजी है। अपने आप को सर्वश्रेष्ठ समझना और दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृति वाला ईर्षालु पथभ्रष्ट मनुष्य भक्ति मार्ग मे सफल नही हो सकता। इधर–उधर से उधारी ली गई जानकारियां पढ़ी–पढ़ाई, सुनी–सुनाई बातों के आधार पर कुछ कहना कोरी कपोल कल्पना और झूठी मान्यताएं हैं। ज्यादातर लोग लकीर के फकीर हैं। परमात्मा को बिना जाने–पहचाने,स्वयं खुली और बंद आंखो से देखें बिना और स्वयं के अंदर, स्वयं के द्वारा, स्वयं अनुभव तथा बोध किए बिना परमात्मा को मानना और ना मानना दोनों ही अंधविश्वास और अंधभक्ति है।

महामंडलेश्वर सतगुरु स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने दूर–दराज से आए श्रद्धालुओ से आह्वान और अनुरोध किया की इधर–उधर ना भटको आओ निराकारी जागृति मिशन से जुड़िए। निराकारी जागृति मिशन मे सबसे पहले मालिकेकुल ओत–प्रोत एकरस कायम दायम परमात्मा की पहचान कराई जाती है। पलभर मे परमात्मा का खुली आंखों से दर्शन कराया जाता है और फिर अंतर्मुखी होकर ध्यान करने की सहज और सटीक युक्ति बताई जाती है। स्वयं की पहचान, आपका असली परिचय कराया जाता है। इसलिए स्वयं अनुभव करके कुछ कहा जाए तो वही सच होगा।

ब्रह्म क्या है, कैसे ब्रह्म को उपलब्ध हो सकते हैं, किसी ठोस प्रमाण के बिना अगर स्वीकार कर लिया जाए तो यह अज्ञानता, अंधविश्वास और अंधभक्ति होगी। जब तक स्वयं देखा नहीं, जाना पहचाना नहीं और अनुभव नहीं किया तब तक परमात्मा के अस्तित्व को स्वीकार करना और इंकार करना दोनों ठीक नहीं है। यह स्वयं के अनुभव से ही संभव हो सकता है। दूसरों के द्वारा कुछ कहा गया, सुना गया और किया गया अनुभव आपके काम नहीं आ सकता परंतु आप उससे प्रेरणा जरूर ले सकते हैं। भक्ति मार्ग मे वही सफल होते हैं जो अपना सबकुछ समय के हाकिम ब्रह्मनिष्ठ सतगुरु के उपर कुर्बान कर देते हैं और मन वचन और कर्म से समर्पण और न्यौछावर कर देते हैं। हीरे मोती और कीमती रत्न उनके ही हाथ लगते है जो समुद्र की गहराई मे छलांग लगाते है और जो किनारे पर खड़े होकर ख्याली पलाव पकाते रहते हैं और मुंगेरीलाल के सपने देखते रहते अंनत–वह हाथ मलते रह जाते हैं। जैसे तालाब में तैरने के बिना तैरने का अनुभव नहीं हो सकता ठीक इसी प्रकार से सिर्फ पढ़ने–पढाने और सुनने–सुनाने से और शब्दों की व्याख्या करने से वास्तविकता का ज्ञान ध्यान एवं बोध नहीं हो सकता। अगर स्वयं देखा नहीं

ज्ञान और पहचान नहीं तो कैसे मान लिया जाए कि परमात्मा है या नहीं। अगर है तो फिर नजर क्यों नहीं आता। कैसे मान लें कि परमात्मा अजर अमर अविनाशी अडिग–अडोल, अनंत और असीमित है।

महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने आगे कहा कि अनन्य भक्ति के बिना निज स्वरूप आत्मा का ज्ञान ध्यान और बोध नहीं हो सकता भक्ति के बिना तत्व दृष्टि, ज्ञान दृष्टि और दिव्य दृष्टि नहीं मिल सकती और साधक कभी भी दूरदर्शी नहीं हो सकता परमात्मा के दिव्य स्वरूप का दर्शन दीदार करने के लिए मन, वचन और कर्म से समर्पण और शरणागत भाव बहुत जरूरी। स्वयं को संभालने के लिए, स्वयं के द्वारा स्वयं को जानने के लिए, स्वयं में स्थितप्रज्ञ होने के लिए, स्वयं के असली परिचय के लिए अनन्य भक्ति बहुत ही ज्यादा जरूरी है।

महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ ने कहा कि जैसे मदिरा से भरे हुए घड़े को बाहर पानी से धोने से वह पवित्र नहीं हो सकता ठीक इसी प्रकार से बाहर मुखी कर्मकांडों से और कृत्रिम बनावट, सजावट और दिखावट से भी वास्तविकता का ज्ञान एवं अनुभव नहीं हो सकता है। बाहरी दिखावे, जड़ वस्तुओं की पूजा, मनुष्य द्वारा तर्कशील बुद्धि के आधार पर निर्मित चिन्ह प्रतीकों, जड मूर्तियों की पूजा और उनके सामने खड़े होकर गिड़गिड़ाने से और इनको सब कुछ मानकर ध्यान करने से आध्यात्मिकता की गुत्थी नहीं सुलझ सकती। ऐसे पथभ्रष्ट और अपने सही मार्ग से विचलित इंसान कभी भी जन्म और मरण के चक्कर से छुटकारा नहीं पा सकते और मुक्ति मुक्ति का सपना एक सपना बनकर रह जाता है।

आयुष्मान भव: कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य केंद्र मथाना में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मथाना में प्रवर चिकित्सा अधिकारी डा. सुदेश सहोता की अध्यक्षता मे आयुष्मान भव: कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संदेश को सुना गया। इस कार्यक्रम में गांव मथाना के सरपंचों, पंचों व अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ–साथ सामुदायिक केंद्र मथाना के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी शिरकत की। चिकित्सा अधिकारी डा. सुदेश सहोता ने कहा कि आयुष्मान भव: कार्यक्रम को सफल बनाने व जनहित में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मिलकर काम करना होगा। आयुष्मान भव: कार्यक्रम को 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2023 तक मनाया जाएगा और 2 अक्टूबर को स्वास्थ्य केंद्र मथाना में आयुष्मान सभा का भी आयोजन किया जाएगा, इस सभा में स्वास्थ्य से संबंधित कार्यक्रमों व सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं व योजनाओं के बारे में आमजन को जागरूक किया जाएगा।

सब इंस्पेक्टर की सडक हादसे में दर्दनाक मौत

गजब हरियाणा न्यूज

भिवानी । भिवानी में गुप्तचर विभाग के सब इंस्पेक्टर की सडक हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। वो नशा मुक्ति को लेकर चलाई जा रही साइक्लोथोन यात्रा के साथ बाइक पर ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान एक कार चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मारी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हरियाणा सरकार द्वारा चल रही नशा मुक्ति की यात्रा जब भिवानी पहुंची तो उसके स्वागत के लिए पुलिस व गुप्तचर विभाग की भी ड्यूटी लगाई गई। ड्यूटी के दौरान सब इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार बाइक पर थे। पुलिस के अनुसार सब इंस्पेक्टर सुरेंद्र को एक गाड़ी चालक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिसकी वजह से वे गंभीर रूप घायल हो गए। उन्हे तुरंत भिवानी के सामान्य हॉस्पिटल लाया गया। हॉस्पिटल लाते ही चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सब इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार के भतीजे सुरेंद्र ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली कि ड्यूटी के दौरान उनके चाचा की गाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी, जिसकी वजह से उनके चाचा की मौत हो गई। उन्होंने मामले में कड़ी करवाई करने की मांग की है। वही मामले की जांच कर रहे थाना सदर प्रभारी कुलदीप कुमार का कहना है कि यात्रा के दौरान यह घटना घटित हुई है। उन्होंने बताया कि मुकदमा दायर कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सुरेंद्र ड्यूटी पर तैनात थे, तब यह घटना घटित हुई थी। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार के लिए पुलिस विभाग आर्थिक व कानूनी दोनों लिहाज से मदद करेगा।

मेरी माटी, मेरा देश–मिट्टी कलश यात्रा एक अनूठी पहल : स्वामी

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, माटी को नमन, वीरों का वंदन के नारे के साथ, मेरी माटी मेरा देश फेज–2 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बहादुर सिपाहियों को सलाम करने पर महत्वपूर्ण ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक मोमिन खान द्वारा ब्लॉक सरस्वती नगर के गूंदियाना सहित विभिन्न गांवों में मिट्टी के संग्रहण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत संग्रहित मिट्टी को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाया जाएगा, जो कर्तव्य पथ, नई दिल्ली के युद्ध स्मारक के पास स्थित अमृत वाटिका के लिए होगी।

जिला युवा कार्यक्रम अधिकारी नेहरू युवा केंद्र ओमकार स्वामी ने बताया की मेरी माटी, मेरा देश–मिट्टी कलश यात्रा एक अनूठी पहल है, जो ग्राम पंचायतों से शुरू होकर भारतीय राजधानी दिल्ली तक बढ़ती है। इस यात्रा में, प्रत्येक कलश अपने गांव की मिट्टी होगी। यह यात्रा भारतीय संस्कृति और समृद्धि के प्रति गहरा समर्पण दिखाती है और गांवों से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक लोगों को एक साथ आने का मौका देती है। यह यात्रा हमारे देश की विविधता और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जोडने का एक प्रतीक है, और हमारे मातृभूमि की सुरक्षा और संरक्षण की दिशा में जिम्मेदारी के प्रति एक भावना को उत्पन्न करती है। मेरी माटी मेरा देश फेज–2 के तहत वीरों के प्रति समर्पण और आभार का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होने बताया कि संग्रहित मिट्टी को युद्ध स्मारक के पास स्थित कर्तव्य पथ पर अमृत वाटिका के लिए ले जाने का यह कदम भारतीय सेना बहादुरी के प्रति हमारी समर्पण की पुष्टि करता है, और हमारे पर्यावरण के संरक्षण प्रति हमारे संकल्प को मजबूत करता है। सम्पूर्ण जनता को इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है, ताकि हम समाज में हमारे वीर सैनिकों के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा और समर्पण का इजहार कर सकें।

बसवा टीम ने रावनहेडा में खोला 49 वां पुस्तकालय

बसवा का प्रथम उद्देश्य शिक्षा: रोहतास मेहरा

गजब हरियाणा न्यूज/रंगा

कैथल । बसवा टीम इंडिया के सहयोग से गांव रावनहेड़ा पुंडरी में 49 वां पुस्तकालय खोला गया जिसकी अध्यक्षता समाजसेवी नशीब बौद्ध ने की। मुख्य अतिथि के तौर पर समाजसेवी प्रो. डॉ अजीत चहल व बसवा टीम इंडिया के संस्थापक रोहतास मेहरा पहुंचे। मुख्य वक्ता बसवा कार्यकारी सदस्य सामाजिक कार्यकर्ता गुरूदेव बडसीकरी रहे। विशिष्ठ अतिथि के रूप में समाजसेवी प्रदेश अध्यक्ष अमित बेलरखा व प्रदेश संगठन सचिव मनोज बौद्ध ने भाग लिया। डॉ अजीत चहल ने कानून के बारे में बच्चों को जागरूक किया। बसवा टीम ने डॉ. अजीत चहल के माध्यम से पुस्तकालय लिए 15 हज़ार रुपए का आर्थिक सहयोग करवाया। बसवा संस्थापक मा. रोहतास मेहरा ने बताया कि बसवा टीम का मुख्य उद्देश्य, शिक्षा को निचले पायदान तक पहुंचाना है, ताकि शिक्षा सभी तक आसानी से पहुंच सकें। प्रदेश अध्यक्ष अमित बेलरखा व प्रदेश संगठन

सचिव मनोज बौद्ध ने बताया कि बसवा टीम द्वारा दो हजार रुपए की किताबें व आठ बहुजन महापुरुषों के छायाचित्र आपके गांव में 49 वें पुस्तकालय में सहयोग किया। सामाजिक कार्यकर्ता गुरूदेव बडसीकरी ने बताया कि बसवा टीम 2016 से शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है ताकि शिक्षा को इतना मजबुत बनाया जाए कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना रहे। नशीब बौद्ध ने बताया कि आज डॉ भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय की नींव रखी है इसमें बसवा टीम का गांव रावन हेड़ा अभारी रहेगा और इस कार्यक्रम में लगभग 65 बच्चों को शिक्षा में अव्वल आने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मौजूदा सरपंच, पूर्व संरपच, सत्यवान, कमला, बतेरी रामपाल आदि मौजूद रहे।

हरियाणा बना क्रेच पॉलिसी लाने वाला देश का पहला राज्य : कैप्टन मनोज कुमार

क्रेच में रह सकेंगे कामकाजी महिलाओं के 6 महीने से 6 साल तक के बच्चे

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से तैयार की गई हरियाणा राज्य क्रेच पॉलिसी को अधिसूचित कर दिया गया है। राज्य सरकार द्वारा कामकाजी महिलाओं को ध्यान में रखते हुए यह पॉलिसी बनाई गई है। 6 महीने से 6 साल तक के बच्चे को क्रेच में एडमिशन दिया जाएगा और 8 से 10 घंटे तक बच्चे को रखने के अनुकूल क्रेच स्थापित होंगी।

डीसी ने बताया कि कामकाजी महिलाओं के ऑफिस की क्रेच से अधिकतम दूरी 500 मीटर निर्धारित की गई है। क्रेच के लिए जिस परिवार की वार्षिक आय एक लाख रुपए से कम है उन्हें प्रत्येक बच्चे के लिए 50 रुपए शुल्क देना होगा। एक लाख से 1.80 लाख पर 100 रुपए 1.80 लाख से तीन लाख पर 250 रुपए, तीन लाख से 5 पांच वार्षिक आय पर 350 रुपए, पांच लाख से अधिक पर 500 रुपए हर महीने देने होंगे।

50 से अधिक कर्मचारियों वाले सभी संस्थानों को क्रेच खोलना अनिवार्य–कैप्टन मनोज कुमार

डीसी कहा कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार 50 से अधिक कर्मचारियों वाले सभी संस्थानों को क्रेच खोलना अनिवार्य होगा। क्रेच में बच्चों के खेलने के सामान और खिलौने के साथ ही पौष्टिक भोजन, नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण, सोने की व्यवस्था, शिक्षा तथा शारीरिक व सामाजिक – भावनात्मक विकास के लिए तमाम इंतजाम होंगे। उन्होंने बताया कि पुराने क्रेच को नई पॉलिसी के तहत

अपग्रेड किया जाएगा। क्रेच महीने में 26 दिन खुले रहेंगे। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर पैरेंट्स और स्टाफ के आईडी कार्ड भी बनाए जाएंगे। क्रेच में किसी भी बच्चे को अकेला नहीं रहने दिया जाएगा। हर वक्त वर्कर और सहायिका की बच्चों पर नजर रहेगी। क्रेच में बच्चे को सुबह का नाश्ता, लंच और शाम को स्नैक्स भी दिया जाएगा जिसका सारा खर्च सरकार की ओर से वहन होगा। सफाई और स्वच्छता के लिए हर महीने एक हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। क्रेच में बच्चों के सोने और फीडिंग रूम की भी व्यवस्था होगी।

श्री गुरु रविदास आश्रम में मासिक सत्संग का किया आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज

लाडवा । रविवार को मुस्ताबाद रोड पर स्थित, श्री गुरु रविदास आश्रम में मासिक सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग का शुभारंभ गुरु रविदास जी की आरती से किया गया।

आश्रम के महात्मा गुरु पालदास ने बताया कि हर महीने के दूसरे रविवार को श्री गुरु रविदास आश्रम में मासिक सत्संग का आयोजन किया जाता है। रविवार को महात्मा नरेश दास ने हवन यज्ञ में आहुतियां डलवाई। वही आश्रम में पहुंचे ज्ञानी राजेंद्र मेहरा ने अपने विचारों से गुरु रविदास जी की महिमा का गुणगान किया। उन्होंने कहा कि हमे सभी संतो व महापुरुषों का मान सम्मान करना चाहिए। सत्संग सुनने से मनुष्य के जन्म–जन्म के पाप कट जाते हैं और मन को शांति प्राप्त होती है। सत्संग के बाद आश्रम में एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर इमना कटारिया, विनोद, विक्रम, दलबीर सिंह, सुनील कुमार, हिमांशु, अजय, रूपा रानी, मनीषा रानी, मानसी, कांता रानी, कृष्णा देवी, पूजा रानी सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

संजय मेहला हुए कांग्रेस में शामिल

दीपेंद्र हुड्डा ने दिलाई सदस्यता

गजब हरियाणा न्यूज

असंध । पूर्व प्रतिनिधि चेयरमैन जिला परिषद करनाल व पूर्व प्रत्याशी हल्का असन्ध संजय मेहला ने आज दिल्ली स्थित राज्य सभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस में अपनी आस्था जताई। इस अवसर पर दीपेंद्र हुड्डा ने संजय को विश्वास दिलाया उन्हें पार्टी में पूरा मान सम्मान दिया जाएगा। इस मौके

पर जिला परिषद सदस्य सचिन बुडनपुर और युवा कांग्रेस करनाल के पूर्व अध्यक्ष पंकज गाबा मौजूद रहे।

सुरेश द्रविड़ पर राजद्रोह एवं अन्य धाराओं में दर्ज एफआईआर रद्द करें सरकार : शमशेर

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल, जिला में गत वर्ष 4 सितंबर 2022 को हरियाणा सरकार की शिक्षा विरोधी नीतियों के विरोध में जन शिक्षा अधिकार मंच कैथल का गठन किया गया था। जिसमें 56 संगठनो के पदाधिकारी शामिल हुए थे। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ कैथल के जिला प्रधान होने के नाते सुरेश द्रविड़ भी इस मंच के साथ जुड़े और 8 सितंबर 2022 को राज्य मंत्री श्रीमती कमलेश डांढा के कैथल स्थित आवास पर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। इस प्रदर्शन में बहुत सारे साथियों ने भाग लिया और प्रदर्शन के दौरान बहुत सारे साथियों ने सरकार विरोधी बातचीत भी की, शिक्षक सुरेश द्रविड़ ने भी 8 सितंबर 2022 को जन शिक्षा अधिकार मंच कैथल द्वारा नई शिक्षा नीति के विरोध में तथा बंद किए गए कन्या स्कूलों को दोबारा खुलवाने के लिए, सरकारी स्कूलों में कैप्ट की गई पोस्टों के विरोध में, चिराग योजना के विरोध में श्रीमती कमलेश डांढा राज्य मंत्री हरियाणा सरकार के आवास पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया था,उन्होंने निजीकरण के विरोध में अपनी बात कही थी और सरकार के जनविरोधी कदमों का विरोध किया था, उन्होंने केवल सरकार से ही नाराजगी ही नहीं जताई थी बल्कि शिक्षक वर्ग को भी शिक्षा व्यवस्था के बुरे हालात के लिए जमकर लताड़ा था, उन्होंने पूरी व्यवस्था के संबंध में बातचीत की थी, और भारतीय संविधान के अनुसार शिक्षा व्यवस्था की कमियों को भी उजागर किया था तथा निजीकरण के विरोध में भी अपनी बात रखी थी। इस अवसर पर आशा वर्कर यूनियन की जिला प्रधान सुषमा जडौला ने कहा कि निजीकरण का विरोध करना तथा संविधान पर बातचीत करना किसी भी तरीके से देशद्रोह नहीं हो सकता और एक सच्चे लोकतंत्र में राजद्रोह होना भी नहीं हो चाहिए। सुरेश द्रविड़ की भावना व्यवस्था के सुधार के लिए थी और व्यवस्था में सुधार से ही देश का विकास होगा। उनकी मंशा किसी भी प्रकार से देश के खिलाफ नहीं थी। सुरेश द्रविड़ बहुत पहले से अनेक सामाजिक संगठनों में काम करता रहा है। सुरेश द्रविड़ एक सामाजिक कार्यकर्ता है और अनेक सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय पहले से रखता रहा है, तथा 8 सितंबर 2022 को प्रदर्शन के दौरान संबोधन का एक वीडियो वायरल हो गया था, जिसके कारण पहले तो 12 सितंबर 2022 को सुरेश द्रविड़ को निलम्बित किया गया , उसके पश्चात 19 सितंबर 2022 को जांच लम्बित बहाल कर दिया गया, लेकिन इसके ठीक 4 दिन बाद 23 सितंबर 2022 को कैथल पुलिस द्वारा सुरेश द्रविड़ के खिलाफ राजद्रोह का मुकदमा दर्ज कर दिया गया , उसके पश्चात शहर में कई बड़े प्रदर्शन किए गए तथा 28 सितंबर 2022 से लगातार दिन रात का पड़ाव जिला सचिवालय कैथल में जारी है और आज पड़ाव का 347 वां दिन है, इस अवसर पर जन शिक्षा अधिकार मंच कैथल के संयोजक जयप्रकाश शास्त्री ने कहा कि बहुत लम्बा समय बीत चुका है, लेकिन शासन और प्रशासन ने अभी तक भी इस

धरने की कोई शुद्ध नहीं ली, अब यह एक सामाजिक मुद्दा भी बन गया है। हमारा यह भी मानना है कि सुरेश द्रविड़ को इस झुठे मुकदमे में जानबूझकर फंसाया गया है क्योंकि उस दिन बहुत सारे साथियों ने बातचीत रखी थी तथा पुलिस द्वारा लगाए गए बेरीकेट्स भी तोड़े गए थे लेकिन सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज न करके केवल सुरेश द्रविड़ के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज करना कहीं न कहीं किसी बड़ी साजिश का ही संकेत है क्योंकि सुरेश द्रविड़ जहां किसान आंदोलन में सक्रिय रहा है वहीं सुरेश द्रविड़ ने अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और किसान वर्ग के साथ साथ कर्मचारी संगठनों के मध्य आपसी एकता की भूमिका निभाई है, जो मौजूदा सरकार को कुछ नेताओं को हजम नहीं हो रही है। सुरेश द्रविड़ जहां कांग्रेस और इनेलो के शासन काल में भी सरकारों के जनविरोधी, संविधान विरोधी तथा शिक्षा विरोधी नीतियों और कदमों के खिलाफ आवाज उठाता रहा है। इसलिए मौजूदा सरकार को सुरेश द्रविड़ को केवल भाजपा विरोधी के तौर पर नहीं देखना चाहिए था, लोकतंत्र में जनता की भावनाओं की कदर करनी चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए किसान नेता शमशेर तितरम ने कहा कि हरियाणा सरकार सुरेश द्रविड़ पर दर्ज एफआईआर को तुरंत रद्द करे, धारा 124 ए व अन्य धाराओं में सुरेश द्रविड़ पर दर्ज एफआईआर निंदनीय है। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या सरकार शांतिप्रिय आंदोलनों की सुनवाई नहीं करना चाहती ? किसी शिक्षक का इतना लम्बा उत्पीड़न क्या एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक प्रक्रिया में उचित है ? जनता जानती है कि मौजूदा सरकार के लोग कितना संवैधानिक मर्यादाओं में काम करते हैं ? मौजूदा सरकार के लोग जहां संवैधानिक नैतिकता को तार तार कर रहे है वहीं संघीय ढांचे को भी नूकसान पहुंचाने की कोशिश में है। सरकार को इन असंवैधानिक कार्रवाईयों से बाज आना चाहिए। धरने पर ममता प्रधान डांढ,प्रकाशो कौल, निर्मला प्रधान फरल, मंगता पाई, रणधीर ढुंढ़वा, बलवंत रेतवाल,कलीराम प्यौदा रामदिया,दुनी तितरम, दरबारा, मियां सिंह, हजूर सिंह,भीम सिंह, रामेश्वर, बलवंत धनोरी आदि भी उपस्थित थे।

अमृतवाणी

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज जिओ की

देह संसे गाठिं न छूटे ।।काम क्रोध माइआ मद मतसर इन पंचहु मिलि लूटे ।।रहाउ ।।

जय गुरूदेव जी

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि हे प्रभु जी ! गुरु के उपदेश के बिना जीव की अज्ञानता के कारण भ्रम की गांठ नहीं खुलती क्योंकि भ्रम के कारण ही पांच विकार (काम, क्रोध, माया, ईर्ष्या, अंहकार) मिल कर जीव को लूट रहे हैं भाव प्रभु से दूर ले जा रहे हैं।

धन गुरुदेव जी

साईं बुल्लेशाह काफ़ी -4

आ सजन गल लग्ग असाडे

आ सजन गल लग्ग असाडे, केहा झेड़ा लाययो ई ?
सुत्त्यां बैठ्यां कुझ्झ ना डिट्ठा, जागदियां सहु पाययो ई ।
'कुम-ब-इजनी' शमस बोले, उलटा कर लटकाययो ई ।
इश्कन इश्कन जग्ग विच होईआं, दे दिलास बिठाययो ई ।
मैं तैं काई नहीं जुदाई, फिर क्यों आप छुपाययो ई ।
मझ्झियां आईआं माही ना आया, फूक ब्रिहों रुलाययो ई ।
एस इश्क दे वेखे कारे, यूसफ खूह पवाययो ई ।
वांग जुलैखां विच मिसर दे, घुंगट खोल्ह रुलाययो ई ।
रब्ब-इ-अरानी मूसा बोले, तद कोह-तूर जलाययो ई ।
लण-तरानी झिड़कां वाला, आपे हुकम सुणाययो ई ।
इश्क दिवाने कीता फानी, दिल यतीम बनाययो ई ।
बुल्हा शौह घर वस्या आ के, शाह इनायत पाययो ई ।
आ सजन गल लग्ग असाडे, केहा झेड़ा लाययो ई ?

ओशो अनमोल विचार

जिनके पास कुछ भी नहीं है, उन्हें बटोरने की आकांक्षा पैदा होती है; जिनके पास कुछ है, उन्हें बटोरने का कोई सवाल नहीं है, वे अपने में काफी हैं। खुद का होना ही इतना भराव है कि अब और कुछ बटोरने का सवाल नहीं है। इसलिए तो हमने बुद्ध को पूजा, महावीर को पूजा, शंकर को पूजा; क्योंकि हमने देखा इनमें कि इनकी संपदा इनके भीतर है। कुछ है इनके भीतर कि उसके कारण खालीपन मिट गया है। कोई प्रकाश है भीतर, जिसके कारण अब भीतर की रिक्तता पूर्णता हो गई है, भीतर का शून्य सत्य हो गया है।

महासुख क्या है ?

सिद्ध सरहपा ने महासुख की बात कही। महासुख क्या है ?

पहले तो समझें कि सुख क्या है ? सुख तुम्हें कभी-कभी मिला है, इसलिये सुख को समझना आसान भी होगा। फिर समझें कि दुख क्या है। क्योंकि दुख तो तुम्हें बहुत मिला है। सुख-दुख दोनों समझ में आ जायें तो महासुख की समझ आ सकती है।

सुख क्या है ? एक क्षण भर को अहंकार का मिट जाना सुख है। तुम चौंकोगे: अहंकार का मिट जाना सुख ! हां, जब भी तुमने सुख जाना है, सोचना अब, विचारना अब, ध्यान करना उन क्षणों का। जब भी तुमने सुख जाना है, अहंकार मिट गया है, वह पक्की कसौटी है। सांझ सूरज को डूबते देखा, पहाड़ों पर सूरज की लालिमा छा गई, बादलों पर रंगीन रंग फैल गये, पक्षी अपने नीड़ों को लौटने लगे, सांझ का सौंदर्य, उतरती रात की गरिमा ! किसी पहाड़ी एकांत में तुमने सांझ के सूरज को डूबते देखा, तुम चकित भाव-विभोर हो उठे। सुख की एक पुलक आई और गई। एक लहर आई और तुम नहा गये।

यह कैसे हुआ ? सूरज का सौंदर्य इतना प्यारा था, आकाश के रंग ऐसे अनूठे थे, एकांत में डूबते हुए सांझ के सूरज के साथ, आकाश के साथ एक हो गये। लीन हो गये। एक क्षण को अहंकार विस्मृत हो गया। एक क्षण को तुम भूल गये कि मैं हूं। सूरज इतना था कि तुम एक क्षण को भूल गये कि मैं हूं। बादलों में रंग ऐसे थे कि एक क्षण तुम्हें याद न रही कि मैं हूं। लौटते पक्षी, सांझ का सन्नाटा, पहाड़ का एकांत...तुम भूल गये एक क्षण को, इस शराब में डूब गये एक क्षण को ! तुम्हें याद ही न रही कि मैं हूं। बस उसी घड़ी एक लहर उठी। इसी लहर का नाम सुख है।

फिर जल्दी ही तुम वापिस लौट

आते हो, क्योंकि सूरज कितनी देर तक सुंदर रहेगा ! यहां तो सब पल-छिन का मामला है। अभी था अभी गया। अभी डूब गया। रात गहरी होने लगी।

ओशो
सहज योग (प्रवचन 99)

मृत्यु के उपरान्त क्या ?

एक बार बुद्ध से मलुक्यपुत्र ने पूछा, भगवन आपने आज तक यह नहीं बताया कि मृत्यु के उपरान्त क्या होता है ? उसकी बात सुनकर बुद्ध मुस्कुराये, फिर उन्होंने उससे पूछा, पहले मेरी एक बात का जबाव दो। अगर कोई व्यक्ति कहीं जा रहा हो और अचानक कहीं से आकर उसके शरीर में एक विषबुझा बाण घुस जाये तो उसे क्या करना चाहिए ? पहले शरीर में घुसे बाण को हटाना ठीक रहेगा या फिर देखना कि बाण किधर से आया है और किसे लक्ष्य कर मारा गया है !

मलुक्यपुत्र ने कहा, पहले तो शरीर में घुसे बाण को तुरंत निकालना चाहिए, अन्यथा विष पूरे शरीर में फ़ैल जायेगा ।

बुद्ध ने कहा, बिल्कुल ठीक कहा तुमने, अब यह बताओ कि पहले इस जीवन के दुखों के निवारण का उपाय किया जाये या मृत्यु की बाद की बातों के बारे में सोचा जाये ।...मलुक्यपुत्र अब

समझ चुका था और उसकी जिज्ञासा शांत हो गई।

बुद्ध काल

श्रावस्ती धम्म यात्रा -1

क्या आपने भगवान बुद्ध काल के श्रावस्ती के घने, शांत एवं रमणीय अंध-वन और वहां के विशाल भिक्षुणी विहार के खंडित अवशेष देखे हैं ?

भगवान बुद्ध ने अपने जीवन के कुल 45 में से 25 वर्षावास श्रावस्ती में किए थे। उस दौरान दूर-दूर से भिक्षु भिक्षुणियों के संघ बड़ी संख्या में भगवान और उनके वरिष्ठ भिक्षुओं की देशना सुनने के लिए आते थे।

धम्म देशना के साथ ध्यान साधना पर भी बहुत महत्व दिया जाता था. श्रावस्ती के जेतवन से आठ किमी. दूर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर एक विशाल घना वन क्षेत्र था। घना होने के कारण इसे अंधवन कहा जाता था।

चीन के बौद्ध भिक्षु यात्री फाहियान ने लिखा है कि यहां पर लगभग 500 भिक्षु भिक्षुणियां धम्म अध्ययन व ध्यान अभ्यास करते थे।

सुबह भिक्षाटन करने के बाद भिक्षु अंधवन में प्रवेश करते थे और शाम को साधना पूरी करके जेतवन या पूर्वाराम विहार में आ जाते थे। वर्षावास के दौरान जो भिक्षु विनय के पालन और ध्यान साधना की प्रगति के प्रति लापरवाह होते थे, उन्हें भगवान के आदेश पर इस एकांत शांत रमणीय अंधवन में उनके सुधार और कल्याण के लिए भेजते थे।

सुगंधित, शांत और एकांत वन होने के कारण भगवान बुद्ध स्वयं भी कभी-कभी इस वन में कई दिनों तक ध्यान करने के लिए विहरते थे।

भगवान बुद्ध ने अपने पुत्र और शिष्य भंते राहुल को बहुत गंभीर धम्म देशना दी थी जिसे सुत्त पिटक के 'चुल्ल राहुलोवाद सूत्त' कहा जाता हैं. इसी से भंते राहुल अरहत (मुक्त) हुए थे।

बाद में मिगार माता विशाखा ने पूर्वाराम विहार की तरह यहां भी भिक्षुणी संघ के लिए विशाल विहार बनवाया था।

इसी विहार पर वर्तमान में भीटी गांव बसा हुआ है जो श्रावस्ती का ही एक भाग है। यह स्थान श्रावस्ती से बहराइच मुख्य मार्ग पर आठ

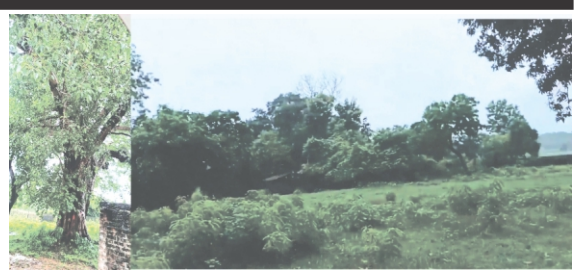

किमी दूर मार्ग से पास ही स्थित है जहां गौरवशाली ऐतिहासिक स्थल के अवशेष बिखरे हुए हैं।

पुरातत्व विभाग ने इस विशाल क्षेत्र के बहुत छोटे से भाग को अपने संरक्षण में लिया है जिसमें एक स्तूप है इसकी खुदाई का कार्य यहां बिल्कुल नहीं हुआ है। लेकिन दूर-दूर तक विहारों के खंडित अवशेष दिखाई देते हैं।

यहां पर उस काल का गवाह एक विशाल पीपल का बोधि वृक्ष गौरव के साथ खड़ा है, जो भगवान बुद्ध के काल की धम्म की गौरव गाथा का बयां कर रहा है।

लोगों ने कुछ भाग के खंडित अवशेषों को अन्य धार्मिक रूप दे दिया है।

यहां के स्तूप व आसपास के इलाके की खुदाई की जाए तो इतिहास का वह गौरवशाली पन्ना खुलकर उजागर होगा और फिर से भारतभूमि पर प्रकाशमान होगा।

जब भी आप श्रावस्ती जाए तो भगवान बुद्ध के समय के अंधवन के खंडित अवशेषों के दर्शन भी जरूर करें क्योंकि यह स्थान यात्रियों के लिए अभी तक अनजान हैं।

भवतु सब्बं मंगल .सबका कल्याण हो. सभी प्राणी सुखी हो

आलेख: डॉ एम एल परिहार, जयपुर

स्थानीय जाट धर्मशाला में हुआ सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल की पहल पर नशा मुक्त हरियाणा के संकल्प के साथ प्रदेश में चल रही साइक्लोथॉन रैली के सम्मान में मंगलवार देर शाम को हांसी की जाट धर्मशाला में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ।

इस कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद की सांस्कृतिक टीम के लोक कलाकारों, नवीन पूनिया, महेश इंद्र सिंह जैसे सुविख्यात कलाकारों ने नशे पर कटाक्ष करती एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। अनीता कुंडू पर्वतारोही एवं मुख्यमंत्री की ओएसडी, एसडीएम मोहित महराणा, डीएसपी धीरज कुमार सहित उप मंडल प्रशासन के अनेक अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। पर्वतारोही अनीता कुंडू ने इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल द्वारा शुरू की गई इस यात्रा से हरियाणा प्रदेश ड्रग्स फ्री होगा। युवाओं को नशा छोड़कर देश की तरकी में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोबाइल की भी लत ना पड़ने दे। सुबह जल्दी उठ व्यायाम करें तथा बच्चों को अच्छे संस्कार दे उन्होंने कहा कि फास्ट फूड भी नहीं खाना चाहिए मैं आज भी चूल्हे की रोटी तथा हारा की दाल खाती हूं जिसे स्वास्थ्य बना रहता है। उन्होंने कहा कि समाज को नशे से बचने के लिए इसकी शुरुआत खुद नशा छोड़कर करनी होगी।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आउट ऑफ वेस्ट की प्रदर्शनी लगाई गई

प्रतियोगिताओं में निबंध में आरती शर्मा, पेंटिंग में हीना व हिमांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थानेसर में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आउट ऑफ वेस्ट की प्रदर्शनी लगाई गई। इस मौके पर छात्राओं द्वारा आउट ऑफ वेस्ट मटेरियल से बनाई वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। प्रिंसिपल अश्विनी कौशिक ने बताया कि कैसे हम बहुत से सामान को बेकार समझकर फेंक देते हैं जबकि बेकार सामान से भी कुछ नया बनाया जा सकता है।

प्रदर्शनी में हम सब देख रहे हैं कि कैसे बच्चों ने पुरानी बोतलों के दीपक, मटकी, पुराने पेपर आदि से कितना प्रयोग योग्य एवं सजावट का समान बनाया है। उन्होंने कहा कि हम सभी को इस से सीखना चाहिए कि हम भी बेकार सामान से ही काफी कुछ नया सामान बना सकते हैं। जो हमारे काम भी आएगा। बेकार समझकर फेंके समान से गंदगी व प्रदूषण को बढ़ाते है। गंदगी न फैलाकर हम स्वच्छता में अपना योगदान देते हैं। इसी मौके पर स्वच्छता पर छात्राओं ने नारा लेखन, पेंटिंग व निबंध लेखन प्रतियोगिता भी अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिताओं में निबंध में आरती शर्मा, पेंटिंग में हीना व हिमांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्राध्यापक व प्राध्यापिकाएं सुखबीर, अनूप, डिंपल, सविता व मोनिका इत्यादि भी मौजूद रहे।

प्रेरणादायक कहानी -1

तुम्हारा टेलेंट कोई नहीं चुरा सकता

एक बार एक चिड़िया ने मधुमक्खी से पूछा कि तुम इतनी मेहनत से शहद बनाती हो और इंसान आकर उसे चुरा ले जाता है, तो तुम्हें बुरा नहीं लगता। तो इस पर मधुमक्खी ने बहुत ही सुंदर जवाब दिया: इंसान मेरा शहद तो चुरा सकता है मगर वो कभी मेरे शहद बनाने की कला नहीं चुरा सकता।

हमे सिखाती है की कोई भले कितना भी स्मार्ट क्यों ना हो वो सिर्फ आपके काम को कॉपी कर सकता है लेकिन कभी आपके टेलेंट को चुरा नहीं सकता। इसलिए किसी से धोखा खाने या नुकसान उठाने के बाद हार मत मानिए अपने हुनर के बल पर फिर से कोशिश कीजिए। और ये बात हमेशा याद रखिये की दूसरों को कॉपी करने से पहले एक बार खुद से ये जरूर पूछें की क्या आप उस काम में सच में बेहतर हैं।

क्यों की कई बार ऐसा होता है की हम दूसरों को कॉपी करने के चक्कर में अपना खुद का टैलेंट बर्बाद कर देते हैं और फिर ना ही हम वो रह पाते हैं जो हम असल में होते हैं और ना ही उस तरह का बन पाते हैं जिसे हमने अपना टैलेंट समझ के कॉपी किया होता है।

रक्तदान के महत्व को समझते हुए युवाओं को रक्तदान के लिए आना होगा आगे : नायब

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, सांसद नायब सिंह सैनी ने कहा कि रक्तदान देश की सबसे बड़ी जरूरत है। युवाओं को इस बात को समझते हुए सेवा भाव से रक्तदान के लिए आगे आना होगा। किसी अनजान व्यक्ति के प्राणों की रक्षा के लिए प्रत्येक नागरिक को हमेशा तत्पर रहना चाहिए। इस प्रकार रक्तदान करने से किसी दूसरे परिवार को भी नया जीवन दिया जा सकता है। यह रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा समझी जाती है। इसलिए रक्तदान एक अनुकरणीय कार्य है।

सांसद नायब सिंह सैनी बुधवार को रैडक्रास सोसायटी व स्वास्थ्य विभाग द्वारा लघु सचिवालय के परिसर में आयुष्मान भव: अभियान के शुभारंभ अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में बोल रहे थे। इससे पहले सांसद नायब सिंह सैनी, भाजपा के जिलाध्यक्ष रवि बतान, अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी, सीएमओ डा. सुखबीर सिंह, रेडक्रॉस सचिव डा. सुनील कुमार ने रक्तदाताओं को बैच लगाकर विधिवत रूप से रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। सांसद ने कहा कि 13 सितंबर से आयुष्मान भव: अभियान की शुरूआत की गई है जो कि जो 31 दिसंबर 2023 तक चलाया जाएगा। इस विशेष अभियान के तहत घर-घर तक पहुंच कर नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं व सेवाओं का लाभ देते हुए लाभान्वित किया जाएगा। इस अभियान के तहत सेवा पखवाड़ा, स्वच्छ भारत अभियान, रक्तदान, अंगदान की शपथ, आयुष्मान आपके द्वार, आयुष्मान मेले और आयुष्मान सभा जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सांसद ने कहा कि मानवता सेवाओं के लिए सभी को कार्य करते रहना चाहिए। इस मानवता सेवा में रक्तदान सर्वोपरि है, किसी के प्राणों की रक्षा रक्तदान के माध्यम से की जा सकती है। यह कहा भी जाता है कि जीओ और जीने दो। इसलिए रक्तदान से किसी दूसरे व्यक्ति को नया जीवन दे सकते है। युवाओं को रक्तदान जैसे कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। रक्तदान करने से आत्म संतुष्टि होती है। रक्तदान करके किसी भी अनजान व्यक्ति की

जान को बचाया जा सकता है, इसलिये सभी नागरिकों को रक्तदान के लिये हमेशा तत्पर रहना चाहिए। अब तो चिकित्सा और विज्ञान ने भी स्पष्ट किया है कि रक्तदान करने से शरीर में किसी प्रकार की कमी नहीं आती, अपितु रक्तदान करने से शारीरिक और मानसिक संतुष्टि मिलती है। दान किए रक्त की 24 घंटे में ही शरीर में पूर्ति हो जाती है और एक स्वस्थ व्यक्ति लगभग 3 महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है।

रेडक्रास सोसायटी के सचिव डा. सुनील कुमार ने कहा कि आयुष्मान भव:अभियान के शुभारंभ अवसर पर लघु सचिवालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में लघु सचिवालय में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों व आमजन ने बढ़चढकर रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि रैडक्रास द्वारा समय-समय पर विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों के माध्यम से एकत्रित किया गया रक्त आकास्मिक समय में किसी जरुरतमंद के काम आता है और समय पर रक्त मिलने से उसके बहुमुल्य जीवन को बचाया जा सकता है। इसलिए सभी को बढ़चढकर रक्तदान शिविर में भाग लेना चाहिए।

डीएलएसए ने कानूनी जागरूकता शिविरों के माध्यम से विभिन्न विषयों पर किया जागरूक

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के दिशा-निर्देशानुसार हालसा के एनुअल एक्शन प्लान के तहत डीएलएसए द्वारा विशेष जागरूकता शिविर चलाए जा रहे है। इन शिविरों में पैनल के अधिवक्ता एवं पीएलवी द्वारा विभिन्न विषयों पर जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में पीएलवी अमनप्रीत द्वारा गांव बगथली में पीड़ति मुआवजा योजना, भारतीय झंडा संहिता 2022 व राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 के बारे में लोगों को जागरूक किया और संबंधित विषय पर विस्तार से जानकारी दी। सीजेएम नितिन राज ने कहा कि इन कैंपों का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य लोगों में जागरूकता लाना है ताकि संबंधित योजनाओं व विषयों की जानकारी सभी को मिल सके।

भ्राता अविनाश ने गीतों के माध्यम से दिया अदभुत ज्ञान : बीके नीति बहन

विदर्भ महाराष्ट्र के बीके अविनाश का किया आलौकिक सम्मान

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

शाहाबाद मारकंडा, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शाहाबाद में चार दिवसीय संगीतमय आध्यात्मिक शिविर हर्षोल्लास से सम्पन्न हो गया। समापन पर प्रभु अनुभूति भवन में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। इसमें विदर्भ महाराष्ट्र से पधारे भ्राता अविनाश को शाल पहना, तिलक लगा व बुके देकर सम्मानित किया गया। इससे पहले अपने अनुभव सत्र में भ्राता अविनाश ने बताया कि इस कलयुगी दुनिया मे किस प्रकार उन्होंने अपनी पवित्र जीवन शैली से स्वयं पर आई विकट परिस्थितियों पर भी जीत पाई। ईश्वरीय वरदान के रुप में उन्हें एक नया जीवन मिला। ब्रह्माकुमारी नीति दीदी ने शाहाबाद निवासियों की ओर से भ्राता अविनाश द्वारा गीतों के माध्यम से दिए अदभुत ज्ञान की बहुत सराहना की और धन्यवाद ज्ञापित किया। बीके निजा बहन ने भी भ्राता अविनाश के बताए अनुभव से स्वयं के जीवन में दृढ़ता और विश्वास से परमात्मा को सदैव साथ रखने की शिक्षा दी।

इस अवसर पर रविन्द्र सिंगला, प्रधान श्री बालाजी रामलीला कमेटी, भोला सभरवाल, प्रो सुनील, एसएस बाजवा, संजीव स्वामी, हरीश

चुघ, राजिंदर, संतोष कुकरेजा, सुरेश शर्मा, कपिल, पवन परुथी, ज्ञान चंद, कंवर पाल जंदेड़ी, जीतपाल, हंसराज, सुरेन्द्र, डिंपल, जय सिंह, राम कुमार, पवन, शीला खुराना, अनिता, शीला, राधा, कौशल्या, आरती, मीनू सपड़ा सहित शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

डीएलएसए द्वारा नशा उन्मूलन व बच्चों के संरक्षण अधिनियम को लेकर लगाए शिविर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के दिशा-निर्देशानुसार हालसा के वार्षिक एक्शन प्लान के तहत डीएलएसए द्वारा जागरूकता कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। इन कैंपों में नालसा की (नशे के दुरुपयोग के पीड़तिों के लिए कानूनी सेवा और नशीली दवाओं के खतरे का उन्मूलन) योजना 2015 और नालसा की (बच्चों और उनके संरक्षण के लिए बच्चों के अनुकूल कानूनी सेवाएं) योजना 2015 पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गांव धनौरा जाटान में पीएलवी रविंद्र कुमार द्वारा आमजन को संबंधित विषय पर जानकारी देकर पंपलेट का वितरण करके जागरूक किया गया।

योग साधना करते हुए सजग रहकर जीवन सफल बनाया जा सकता है : डॉ. शाश्वतानंद गिरी

जिला योगासन खेल संघ की योग प्रतियोगिताएं संपन्न

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, योगासन भारत के तत्वाधान में हरियाणा योगासन खेल संघ की जिला इकाई योगासन खेल संघ, कुरुक्षेत्र शाखा द्वारा श्री अखंड गीतापीठ शाश्वत सेवाश्रम के प्रांगण में आयोजित तीसरी योगासन खेल प्रतियोगिता 2023-24 सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। श्री शाश्वत सेवाश्रम के पीठाध्यक्ष ब्रह्मनिष्ठ संत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 डॉश शाश्वनंद जी महाराज ने दीप प्रज्वलित कर तीसरी जिला योगासन खेल प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया। योग, आयुर्वेद, धर्म एवं आध्यात्म के प्रकाण्ड विद्वान होने के नाते उन्होंने खिलाड़ियों व उपस्थित योग साधना कर रहे लोगों को सदा सजग रहकर अपना जीवन सफल बनाने के सूत्र बताये और आशीष प्रदान किया। आयुष विभाग, विद्यालयों एवं योग संस्थानों के योग्य निर्णायकों की देखरेख में संचालित कल देर शाम तक चली इन प्रतियोगिताओं में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने अपने विद्यालयों के योग शिक्षकों सहित अन्य साधक साधिकाओं ने भी भाग लिया। संघ के जिला प्रधान राजेंद्र वानप्रस्थी ने बताया कि विद्यालयों में चल रही परीक्षाओं के बावजूद इन प्रतियोगिताओं के प्रति विद्यार्थियों व साधक साधिकाओं की अत्यधिक रुचि और सायं देर तक चली प्रतियोगिताओं के कारण सभी प्रतियोगिताओं के परिणाम तत्काल घोषित नहीं किये जा सके। जिन प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर दिए गए उनके प्रतिभागियों को कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला परिषद, कुरुक्षेत्र के वाइस चेयरमैन धर्मपाल चौधरी एवं ब्लॉक समिति, थानेसर की अध्यक्षा के प्रतिनिधि राम मेहर शास्त्री द्वारा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अन्य प्रतियोगिताओं के परिणाम भी शीघ्र ही घोषित कर दिए जाएंगे। उप प्रधान मनोज कुमार, महासचिव राजेश कुमार, कार्यक्रम संयोजक कुलवंत सिंह व प्रचार सचिव गुलशन कुमार ग्रोवर ने बताया कि योगासन खेल संघ की कुरुक्षेत्र जिला शाखा द्वारा आयोजित इन योगासन खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 28 सितंबर को हिसार भेजा जायेगा।

प्रेरणा संस्था द्वारा हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन आज

हिंदी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, नगर में प्रमुख प्रेरणा वृद्धाश्रम का संचालन कर रही एवं साहित्य को प्रोत्साहित करने वाली प्रेरणा संस्था द्वारा 14 सितम्बर को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सहयोग से हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

प्रेरणा के संस्थापक एवं संचालक डा. जय भगवान सिंगला ने बताया कि इस अवसर पर हिंदी को प्रोत्साहन के लिए जहां विख्यात हिंदी साहित्यकारों के विचार सुनने को मिलेंगे वहीं विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में विजेताओं

को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रेरणा की अध्यक्षा रेणु खुंगर, कार्यक्रम संयोजिका डा. ममता सूद एवं प्राचार्य अश्विनी कौशिक भी मौजूद रहे।

पटौदी शहर के उत्तरी बाईपास के निर्माण से शहर में यातायात का दबाव कम होगा : श्री मनोहर लाल

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से भारतमाला परियोजना के तहत पटौदी शहर के चारों ओर रिंग रोड को पूरा करने के लिए शहर के उत्तरी बाईपास के निर्माण के लिए आग्रह किया है।

अर्ध सरकारी पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा है कि चूंकि होडल-नूंह-पटौदी-पटौदा मार्ग पर कोई प्रस्तावित बाईपास नहीं है, इसलिए पटौदा कस्बे में यातायात बाधित रहता है। होडल-नूंह-पटौदी-पटौदा के महत्व को ध्यान में रखते हुए, जो दिल्ली-आगरा (NH-2), दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, गुरुग्राम-जयपुर (NH-48), गुरुग्राम-रेवाड़ी (NH-352W) और रोहतक-रेवाड़ी (एनएच-352), जैसे कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ता है इसलिए उत्तरी दिशा में पटौदी शहर के बाईपास का निर्माण समय की मांग है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बड़े आर्थिक लाभ और यातायात में कमी को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने भूमि अधिग्रहण और उपयोगिता स्थानांतरण की 50% लागत वहन करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि एनएचएआई द्वारा गुरुग्राम-पटौदी-पटौदा रोड (एनएच-352डब्ल्यू) की 4-लेनिंग परियोजना के हिस्से के रूप में दक्षिणी बाईपास का निर्माण पहले ही किया जा चुका है, जिससे शहर से दूर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात की आवाजाही में काफी सुविधा हुई है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण भारतमाला परियोजना समग्र विकास सुनिश्चित करते हुए यात्रा के समय और दूरी को कम करेगी और राज्य के विकास में तेजी लाएगी।

एडीआर सेंटर में मेडीएशन प्रक्रिया पर जागरुकता बैठक का हुआ आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के दिशा निर्देशानुसार डीएलएसए द्वारा एडीआर सेंटर में मेडीएशन प्रक्रिया पर एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। जिसके तहत पैनल अधिवक्ता मंजू कौशिक ने वैकल्पिक विवाद समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सीजेएम

नितिन राज ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ज्यादा से ज्यादा केस मध्यस्थता प्रणाली द्वारा सुलझाने का प्रयास करें। इस कैंप में पुलिस विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

सतगुरु रविदास जी का दूसरा कीर्तन दरबार 23 को बजीदपुर में

प्रचारक रविशंकर धुराला वाले करेंगे सतगुरु रविदास जी महाराज की बाणी का गुणगान

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली, संत शिरोमणि सतगुरु रविदास जी महाराज की अमृतवाणी का दूसरा कीर्तन दरबार 23 सितंबर को सतगुरु रविदास धाम गांव बजीदपुर में आयोजित किया जा रहा है। जिसमे अमर शहीद संत रामानंद जी महाराज के परम शिष्य सत्कारयोग रविशंकर धुराला वाले सतगुरु रविदास जी महाराज की पवित्र अमृतवाणी का शाम 7:30 बजे से 11 बजे तक गुणगान करेंगे। बाणी का अमृतपान करने के लिए जिला भर से हजारों की संख्या श्रद्धालुगण पहुंचेंगे। बता दें 28 मार्च को पहला कीर्तन दरबार सजाया गया था,जिसमे प्रचारक बाबा प्रीत रविदासिया जी ने संगत को गुरुबाणी से निहाल किया था।

बाबा प्रीत रविदासिया करेंगे 29 सितंबर को सतगुरु रविदास जी बाणी का गुणगान

गजब हरियाणा न्यूज /जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, 29 सितम्बर पूर्णमासी के दिन पिहोवा खंड के गांव छेलों में सतगुरु रविदास जी महाराज का कीर्तन दरबार सुबह 9 बजे से 12 बजे तक सजाया जाएगा और पवित्र अमृतवाणी का गुणगान किया जाएगा। जिसमें बाबा प्रीत रविदासिया जी टोहाना वाले संगत को गुरुबाणी से निहाल करेंगे। गांववासियों में इस कार्यक्रम को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

सतगुरु रविदास जी अमृतबाणी की रहनुमाई में किया गृह प्रवेश

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली ।गांव बजीदपुर में दयाल सिंह और उनके समूह परिवार द्वारा अपने नवनिर्मित मकान में सतगुरु रविदास जी महाराज की पवित्र अमृतबाणी का प्रकाश करा कर गृह प्रवेश किया। जिसमे ठस्का मीरां जी से प्रचारक धर्मपाल दास ने अमृतबाणी के पाठ किए और कीर्तनी जत्थे द्वारा सतगुरु जी का गुणगान किया।

तेज बरसात में गिरी लाडवा में एक मकान की छत

गजब हरियाणा न्यूज

लाडवा । तेज बरसात के कारण लाडवा के वार्ड नंबर 13 रविदास नगर में एक विधवा के कड़ियों वाले मकान की छत गिर गई। गनीमत रही कि उस समय मकान में कोई नहीं था। मकान में रहने वाले लोग किसी कारणवश नीचे आ गए थे और इतने में बहुत बड़ा हादसा हो गया।

मकान की मालकिन सावित्री देवी ने बताया कि शनिवार तेज बरसात आई, जिसके कारण उनके मकान के कमरे की कड़ियां गिर गई। उन्होंने हाल ही में अपने मकान में कड़ियां डाली थी कि तेज बरसात में बिजली कड़कने के कारण शनिवार रात्रि उनके मकान की छत गिर गई। गनीमत रही कि उसे समय मकान में कोई नहीं था। उन्होंने बताया कि तीन लोग इस कमरे में रात को सोते थे परंतु अभी सोने के लिए आना ही था, उससे पहले ही मकान की कड़ियां नीचे गिर गई। उन्होंने सरकार से मांग की है कि सरकार लगभग पचास हजार का मुआवजा दे ताकि वह अपने मकान को दोबारा से अच्छा तो बना सके।

सभी तरह के विज्ञापन लगवाए उचित दामों में नाम परिवर्तन, बेदखली,नोटिस, खोया पाया, वैवाहिकी,आवश्यकत, बधाई संदेश, कोर्ट नोटिस,बोली सूचना, नीलामी सूचना, बैंक नोटिस, व्यवसायिक गतिविधियां। संपर्क करें। जरनैल सिंह रंगा पत्रकार मो.9138203233

सुलतान सिंह को दिया ' वीर शिरोमणि एकलव्य अवार्ड ' सीडब्ल्यूई विजेता है द ग्रेट सुलतान सिंह

गजब हरियाणा समाचार पत्र के सफलता पूर्वक पांच वर्ष पूर्ण होने और समाजसेवी संस्था 'सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.)' द्वारा यह सम्मान दिया गया

गजब हरियाणा न्यूज /डेस्क

यमुनानगर, 3 सितंबर को डेरा बाबा लालदास कपालमोचन आयोजित मासिक सत्संग के दौरान गजब हरियाणा समाचार पत्र के सफलता पूर्वक पांच वर्ष पूर्ण होने और समाजसेवी संस्था 'सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.)' द्वारा सीडब्ल्यूई विजेता द ग्रेट सुलतान सिंह को ' वीर शिरोमणि एकलव्य अवार्ड – 2023 ' देकर सम्मानित किया। सीडब्ल्यूई विजेता रेसलर सुलतान सिंह द ग्रेट खली का शिष्य है। संस्था के अध्यक्ष और संपादक जरनैल सिंह रंगा ने बताया कि देश के लिए फक्र की बात है कि द ग्रेट खली के बाद अब सुलतान सिंह विदेशों में भारत का परचम लहरा रहा है। लुधियाना के गांव सोंगोवाल निवासी द ग्रेट सुलतान सिंह ने कई देशों में करीब 11 मैच लड़े और 8 में जीत हासिल की। हाल ही में करनाल में हुई सीडब्ल्यूई प्रतियोगिता में सुलतान सिंह ने बेल्ट जीती। इस अवसर पर सुलतान सिंह ने गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक और ट्रस्ट के अध्यक्ष का आभार जताते हुए बताया कि उसका अगला ध्येय डब्ल्यूडब्लूई है, जहां अपने देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं और देश के लिए जीत हासिल करना चाहते हैं। उन्होने कहा कि समाज और देशवासियों के सहयोग से ही यह संभव है। इस अवसर पर आश्रम के गद्दीनशीन संत निर्मल दास जी, गुरु रविदास सभा के प्रधान और आश्रम के प्रबंधक अमरनाथ ग्यासडा, वरिष्ठ पत्रकार पूर्ण सिंह, निर्मल कुमार, निर्मल सिंह, एडवोकेट सरिता जरोरा, एडवोकेट विजय लांबा, उप कैशियर हरिचंद, रोहित कुमार, कमल बराड़ा, शीशपाल देहरा, नंबरदार सुमेर सिंह,पूर्व पार्षद शमशेर सिंह, दलीप पेंटर, भानू नाफरे, प्रदीप कुमार, सरंपच प्रतिनिधि संजय कुमार, अक्षय कुमार,हरबंस देहरा, रूबल आजाद, पदम कुमार, जय कुमार, इश्मीत चौधरी, मंजू बाला, निकुंज, राजपाल, मीना देवी, कृष्ण कुमार, ओमपाल, बंटी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

ग्रामीणों को जमीन का मालिकाना हक दिलवाना अहम कदम : हरप्रीत

गजब हरियाणा न्यूज

नीलोखेड़ी, नीलोखेड़ी में जिन गांववासियों के लाल डोरे के अंतर्गत मकान आते हैं उनको रजिस्ट्रीयां देने का कार्य जारी है और किसी कारण जो भी गांव वासी की रजिस्ट्री रह गई है उसके दोबारा फार्म भरवाए गए और उनको जल्द रजिस्ट्रीयां वितरित की जाएंगी।

यह जानकारी बीडीओ कार्यालय से श्रवण कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि सरकार के आदेश आनुसार जिसका लाल डोरे के अंतर्गत मकान आता है उनको रजिस्ट्री दी जाएगी। अभी तक 157 गांव वासियों को मकान की रजिस्ट्रीयां दी जा चुकी है। यदि फिर भी कोई गांव वासी रह गया है उसका आज पुन: फार्म भरा गया है। गांव के सचिव इंद्रजीत ने बताया कि लाल डोरे के अंदर आने वाले सभी मकान मालिकों को रजिस्ट्रीयां दी जाएंगी। सरपंच प्रतिनिधि हरप्रीत सिंह साही ने कहा कि सरकार का यह फैसला बहुत ही सराहनीय है।

ग्रामीणों को मालिकाना हक दिलावकर सरकार ने बहुत ही प्रशंसनीय कार्य किया है। ग्रामीण को अब अपना हक मिल चुका है। रजिस्ट्रीयां पाकर ग्रामीण खुश हैं जिसके लिए उन्होंने सरकार का आभार व्यक्त किया है। इस मौके पर जसविंद्र सिंह सोही, सुखविंद्र सिंह सोही, दोजी राम, रणजीत सिंह सोही सहित अन्य उपस्थित रहे।

घुमंतु जाति परिवारों के आधार कार्ड वोटर कार्ड तथा परिवार पहचान पत्र बनाए गए

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंडा । विमुक्त एवं घुमंतु समाज को हरियाणा सरकार की योजनाओं का लाभ देने के लिए 13 व 14 सितम्बर को गर्वनमेंट प्राईमरी स्कूल प्रेम नगर घरौंडा में दो दिवसीय कैम्प आयोजित किया गया। जिला कल्याण अधिकारी ने बताया कि शिविर में घुमंतु जाति से संबंधित परिवारों के आधार कार्ड, वोटर कार्ड तथा परिवार पहचान पत्र बनाए गए और इनके लिए सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं बारे विस्तृत जानकारी दी गई । सरकार की योजनाओं के लिए पात्र परिवारों के आवेदन करवाने भी सुनिश्चित किए गए ताकि पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। जिला कल्याण कल्याण अधिकारी ने बताया कि शिविर में समाज के सभी वर्गों को कल्याण विभाग की योजनाओं बारे जागरूक करते हुए पात्र परिवारों को आवेदन करने के लिए प्रेरित किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए किया आयुष्मान भव: अभियान का शुभारंभ

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की 'आयुष्मान भव:' पहल का वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बुधवार को गुजरात के राज भवन से शुभारंभ करते हुए महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि विश्व की यह सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। केंद्र सरकार इस अभियान के तहत नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रही है। केंद्र सरकार ने इससे पूर्व कोविड 19 को लेकर बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया था जिसका फायदा 120 करोड़ नागरिकों को पहुंचा व 150 देशों को कोविड की दवा सप्लाई की गई। जिला सचिवालय में उपायुक्त वीरेंद्र कुमार दहिया ने अधिकारियों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दिया गया संदेश सुना व अधिकारियों को 'आयुष्मान भव' कार्यक्रम को सफल बनाने के निर्देश दिये।

उपायुक्त ने बताया कि 'आयुष्मान भव:' एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य हर गांव और कस्बे तक स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक स्तर पर पहुंचाना है। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र के जन्मदिन पर 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 2 अक्तुबर तक सभी स्वास्थ्य केंद्र पर चलाया जायेगा। इस अभियान की कड़ी में सफाई अभियान भी चलाया जायेगा। सरकार की यह पहल 'आयुष्मान भारत' कार्यक्रम की सफलता के मद्देनजर शुरू की गई है। आयुष्मान योजना से जुड़े सभी स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों पर आयुष्मान मेले लगायें जायेंगे। अभियान के तहत गरीब के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लोगों का मुफ्त इलाज किया जाएगा। आयुष आपके द्वार के तहत पात्र लोगों के तुरंत कार्ड बनाए जाएंगे।

उपायुक्त ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी हर घर तक पहुंच कर आयुष्मान भव अभियान को कामयाब करेंगे। आयुष्मान भव अभियान एक व्यापक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य सेवा पहला है। जिले के सभी ब्लॉकों में व अस्पतालों में इसे सफल बनाने को लेकर टीबी व अन्य रोगों के इलाज के साप्ताहिक मेले व शिविर लगाए जाएंगे। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अंगदान अभियान भी चलाया जायेगा। अनेक स्थानों पर रक्त दान शिविरों का भी आयोजन किया जायेगा। इस देश व्यापी कार्यक्रम को सेवा पखवाड़ा के दौरान लागू किया जाएगा। उपायुक्त ने इस अभियान को सफल बनाने का आम नागरिक से आह्वान किया।

कार्यक्रम में जिला परिषद की चेयरपर्सन ज्योति शर्मा ने निक्षय मित्र योजना के तहत विभिन्न कर्मचारियों को भी सम्मानित किया। इस मौके पर जिला परिषद की चेयरपर्सन ज्योति शर्मा,अतिरिक्त उपायुक्त वीना हुड्डा, सीएमओ जयंत आहुजा के अलावा बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

घरौंडा एसडीएम ने की जोन इंडस्ट्री एसोसिएशन के साथ मिटिंग

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

करनाल। घरौंडा की एसडीएम अदिति की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में बडसत, पुंडरी, फरिदपुर, बराना जोन इंडस्ट्री एसोसिएशन के साथ मिटिंग का आयोजन किया गया। उक्त मिटिंग में डीएसपी घरौंडा संदीप कुमार, एचएसआईआईडीसी के सिनियर मैनेजर राजबीर सिंह, प्रदुषण बोर्ड करनान के आरओ शैलेन्द्र अरोडा, एसडीओ हार्दिक, डीआईसी के सीपी राजेश कुमार ने भाग लिया। उक्त मिटिंग में सीईटीपी प्लॉट लगाने व फैक्ट्रियों द्वारा जगह -2 पर टैंकरो द्वारा कैमिकल युक्त पानी डालने के सम्बंध में एजेन्डा रखा गया। पूर्व में हुई मिटिंग में उपमण्डल अधिकारी (ना.), घरौंडा द्वारा एसोसिएशन द्वारा सीईटीपी प्लांट लगाने के सम्बंध में दिए गए निर्देश की समीक्षा की गई। एसोसिएशन द्वारा बताया गया है कि उनकेद द्वारा सीईटीपी प्लांट का प्रोजेक्ट की रूप-रेखा तैयार कर ली गई है जिसकी रिपोर्ट बीच-बीच में आरओ, एचएसपीसीडी को प्रेषित की गई है। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने पर व उक्त मौके पर मौजूद अधिकारियों को सुधार करते हुए प्रोजेक्ट रिपोर्ट पुन: तैयार करने के आदेश उपमण्डल अधिकारी महोदय द्वारा मौके पर ही दे दिये गए। अध्यक्ष महोदया द्वारा उनको प्राप्त शिकायतों के बारे में एसोसिएशन को अवगत करवाते हुए बताया गया कि फैक्ट्रियों द्वारा कैमिकल युक्त पानी सडक व किसानों के खेतो मे डाल दिया जाता है। अध्यक्ष महोदया द्वारा एसोसिएशन को उक्त बारे सख्त हिदायत देते हुए कहा गया है कि भविष्य में यदि कोई अनुचित कार्यवाही पाई गई तो उसके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। उक्त कार्यवाही बारे उप पुलिस अधीक्षक, घरौंडा को निर्देश जारी किये गए। एसोसिएशन द्वारा आवासन दिया गया कि कोई भी अनुचित कार्य नही किया जायेगा।

विधानसभा स्तर पर परिवार जोड़ो अभियान की ट्रेनिंग शुरू

लाडवा में वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने पदाधिकारियों को दी ट्रेनिंग

अगले तीन दिनों तक प्रत्येक विधानसभा में परिवार जोड़ो अभियान के तहत दी जाएगी ट्रेनिंग : अनुराग ढांडा

हर गांव में 21 सदस्यीय कमेटी का करेंगे निर्माण : अनुराग ढांडा

सभी 90 विधानसभाओं में बनाएंगे मजबूत संगठन : अनुराग ढांडा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । प्रदेश में विधानसभा स्तर पर परिवार जोड़ो अभियान की ट्रेनिंग की शुरुआत बुधवार को लाडवा में प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने की। उन्होंने इस दौरान विधानसभा के सभी पदाधिकारियों को अभियान से संबंधित जानकारी दी। वहीं हर गांव में 21 सदस्यीय कमेटी बनाने को लेकर भी दिशा निर्देश दिए गए। अनुराग ढांडा ने कहा कि आगामी दो तीन दिन तक पूरे प्रदेश में परिवार जोड़ो अभियान की ट्रेनिंग पूरे प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में दी जाएगी और मजबूत संगठन बनाया जाएगा। इसको लेकर घर घर जाकर लोगों से संवाद किया जाएगा। लोगों के समर्थन के लिए पार्टी की तरफ से एक नंबर भी जारी किया गया है। वहीं दिल्ली और पंजाब की नीतियों को प्रत्येक गांव में लोगों तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। इसके साथ खट्टर सरकार की पोल खोलने का काम भी किया जाएगा।

उन्होंने कहा इसके तहत हम डोर टू डोर अभियान चलाएंगे। हर गांव तक पहुंचना हमारा लक्ष्य है। हम हर गांव में एक कमेटी का गठन करेंगे।हरियाणा की जनता खट्टर सरकार से त्रस्त हो चुकी है। अब हरियाणा के लोग बदलाव चाहते हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा जनहित में किए गए कार्यों से हरियाणा की जनता बहुत प्रभावित है। हरियाणा की जनता अब आम आदमी पार्टी की तरफ देख रही है, 2024 में प्रदेश में पूर्ण बहुमत की आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी।

जींद में वैश्य संकल्प रैली होगी ऐतिहासिक : राजीव जैन

वैश्य समाज में राजनीतिक चेतना पैदा करने की जरूरत है

जिसका कोई दल नहीं, उसमें बल नहीं और बल नहीं तो उसकी समस्या का हल नहीं : अशोक मित्तल

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, धर्मनगरी की अग्रवाल धर्मशाला रेलवे रोड़ में हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने जींद में वैश्य संकल्प रैली को लेकर समाज के लोगों के साथ बैठक की।

बैठक में स्पष्ट किया गया कि जींद रैली में वैश्य समाज के वरिष्ठ नेता शिरकत करेंगे चाहे वह किसी भी पार्टी से जुड़ा हो। बैठक में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष करनाल एवं हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महासचिव अशोक मित्तल भी मौजूद रहे।

बैठक में राजीव जैन ने कहा कि आगामी एक अक्टूबर को जींद में वैश्य संकल्प रैली ऐतिहासिक होगी जो कि वैश्य समाज में चेतना जागृत करने का काम करेंगी। उन्होंने कहा कि यह रैली वैश्य समाज में राजनीतिक चेतना लाने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि वैश्य समाज हर शहर तथा कस्बे में ऐसे समूह का गठन करेगा जो समाज के किसी भी व्यक्ति पर आई विपत्ति की दशा में एक आवाज लगाते ही पीड़ित के साथ खड़ा होकर उसकी हर संभव मदद करेगा ताकि कोई अधिकारी या राजनेता उसकी आवाज को दबा ना सके। रैली को लेकर वैश्य समाज के सभी संगठन प्रचार कर लोगों को रैली में पहुंचने का निमंत्रण दे रहें है। बैठक को सम्बोधित करते हुए अशोक मित्तल ने कहा कि वैश्य समाज सबसे मजबूत है और हर समस्या के समाधान के लिए समाज के साथ है।

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंगला ने बताया कि अगामी 15 सितंबर से पंचकुला से मोटरसाईकल यात्रा शुरू की जाएगी जोकि 25 सितंबर तक प्रदेश के सभी क्षेत्रों में पहुंच कर रैली का न्यौता देगी। यह 16 सितम्बर को कुरुक्षेत्र पहुंचेगी। चेतना यात्रा जो एक अक्टूबर को जीन्द में होने वाली विशाल संकल्प रैली का प्रचार एवं प्रसार कर रही है। इस चेतना यात्रा में 18 मोटरसाइकिल, समाजवाद के प्रतीक एक रुपया एवं एक ईंट से शोभायमान रथ इत्यादि शामिल हैं। कुरुक्षेत्र में इस चेतना यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। पिपली, अग्रसेन चौक एवं अग्रवाल धर्मशाला इत्यादि में स्वागत किया जाएगा। एक अक्टूबर को कुरुक्षेत्र से लगभग एक हजार अग्रबन्धु जीन्द जाएंगे।

टीबी मुक्त अभियान में सराहनीय कार्य करने पर

सांसद ने सर्व समाज कल्याण समिति को किया सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के लिए सराहनीय कार्य करने पर सर्व समाज कल्याण समिति को सांसद नायब सैनी ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। लघु सचिवालय में आयोजित समारोह में समिति की ओर से यह प्रमाण पत्र समिति की सदस्य प्रवीता सैनी ने प्राप्त किया। समारोह में एडीसी अखिल पिलानी, जिला परिषद की चेयरमैन कवंलजीत कौर, भाजपा के जिलाध्यक्ष रवि बतान, जजपा के जिला अध्यक्ष कुलदीप जखवाला, सीएमओ डा. सुखबीर सिंह भी मौजूद रहे। समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने बताया कि समिति ने टीबी के 113 मरीजों की देखरेख का जिम्मा लिया हुआ है। समिति की सदस्य प्रवीता सैनी इन मरीजों को समय पर दवाइंया पहुंचाना सहित अन्य सेवाएं दे रही है। रामेश्वर सैनी ने बताया कि समिति इसके अलावा रक्तदान शिविर लगाना, जरुरतमंदों की सहायता करना, राशन वितरित करना, सिलाई मशीन देना आदि सामाजिक

कार्य कर रही है। समिति के संरक्षक नरेश सैनी, प्रदेश के वष्ठि उपाध्यक्ष कर्मवीर सैनी, मीडिया प्रभारी तरुण वधवा, पुनीत सेतिया, टोनी रोहिल्ला, ऋषिपाल मथाना ने प्रवीता सैनी को सम्मान मिलने पर बधाई दी।

गुरविन्द्र उर्फ सागर हत्याकाण्ड का नामजद तीसरा आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने गुरविन्द्र उर्फ सागर हत्याकाण्ड के आरोप में शुभम उर्फ प्रिन्स पुत्र दीपचन्द वासी गुढा थाना बाबैन जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है ।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि दिनांक 23 अप्रैल 2022 को जसबीर सिंह पुत्र राम प्रसाद वासी महुआ खेडी थाना बाबैन जिला कुरुक्षेत्र ने थाना बाबैन पुलिस को दिये अपने ब्यान में बताया कि दिनांक 21 अप्रैल 2022 को शाम को करीब 8 बजे उसके भतीजे रमेश के लडके गुरविन्द्र उर्फ सागर का उसके गांव के नीरज पुत्र गुरमेज सिंह के साथ किसी बात को लेकर झगडा हो गया था ।जिसकी सूचना डायल 112 पर पुलिस को देकर नीरज ने मौका पर पुलिस को बुला लिया था ।उन दोनों का झंगडा शांत हो गया ।उसके बाद से ही गुरविन्द्र उर्फ सागर से रंजिश करने लगा था । दिनांक 22 अप्रैल 2022 को शाम को करीब 6 बजे गुरविन्द्र उर्फ सागर को नीरज को गांव में ही घूमने के लिये बुलाकर ले गया।उसके बाद गुरविन्द्र उर्फ सागर देर रात्रि तक भी घर पर नही पहुंचा। उसने व उसके परिवार वालों ने मिलकर उसकी तलाश की तो पता चला कि दिनांक 22 अप्रैल 2022 को रात्रि 8 बजे वह नीरज पुत्र गुरमेज सिंह व प्रिन्स पुत्र दीप चन्द वासी गुढा और एक अन्य लडके के साथ गांव गुढा में था। उसकी तलाश करने पर गुरविन्द्र उर्फ सागर की लाश गांव गुढा के स्टेडियम में नग्न अवस्था में पडी मिली। उसके मृतक शरीर पर सुंओ के गोदने के निशान थे तथा दोनों कन्धो पर तेजधार हथियार से मारी गई चोट के निशान थे ।उसके चेहरे को ईंट से पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया था। जिसके ब्यान पर थाना बाबैन में हत्या का

मामला दर्ज करके मामले की जांच तत्कालीन प्रभारी थाना बाबैन निरीक्षक नायब सिंह को सौंपी गई थी ।

बाद में मामले की जांच अपराध अन्वेषण शाखा-1 को सौंपी गई । दिनांक 25 अप्रैल 2022 को अपराध अन्वेषण शाखा-1 के प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार चौहान के मार्ग निर्देश में उप निरीक्षक राजकुमार की टीम ने मामले में गहनता से जांच करते हुए हत्या करने के आरोप में नीरज कुमार पुत्र गुरमेज सिंह वासी महुआ खेडी थाना बाबैन जिला कुरुक्षेत्र व कृष्ण कुमार उर्फ विक्की पुत्र राजकुमार वासी उपलाना थाना मुलाना जिला अम्बाला को गिरफ्तार कर लिया था ।आरोपियों को माननीय अदालत में पेश करके तीन दिन के पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया था ।जांच करने के पश्चात पुन: आरोपियों को माननीय अदालत में पेश करके अदालत के आदेश से कारागार भेज दिया था ।उसके बाद मामले की जांच अपराध अन्वेषण शाखा-2 को सौंपी गई थी ।

दिनांक 12 सितम्बर 2023 को प्रभारी अपराध शाखा-2 निरीक्षक प्रतीक के मार्ग निर्देश में उप निरीक्षक रिशीपाल की टीम ने गुरविन्द्र उर्फ सागर हत्याकाण्ड के आरोप में शुभम उर्फ प्रिन्स पुत्र दीपचन्द वासी गुढा थाना बाबैन जिला कुरुक्षेत्र को काबू करके गिरफ्तार कर लिया ।आरोपी को 13 सितम्बर 2023 को माननीय अदालत में पेश किया गया व अदालत के आदेश से कारागार भेज दिया ।

नारनौंद के विनय सिंहमार बने लेफ्टिनेंट

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

हिसार । नारनौंद के धर्मवीर सिंहमार के सुपुत्र विनय सिंहमार लेफ्टिनेंट बने। उनके लेफ्टिनेंट बनने पर गांव नारनौंद में खुशी का माहौल है। विनय के घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

इस दौरान विनय सिंहमार ने लेफ्टिनेंट बनने का श्रेय संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर और समस्त महापुरुषों को दिया। उन्होंने कहा कि इस जीत में उनके माता-पिता और परिवार का भी पूरा साथ रहा है। इस अवसर पर समस्त समाज द्वारा देशभक्ति गीतों की धुनों पर नारनौंद में सम्मान यात्रा निकालकर स्वागत किया।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN/2018/77311